## Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

## License Information

**अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)** (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

# अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

## 1SA

1 शमूएल 1:1–2, 1 शमूएल 1:2, 1 शमूएल 1:5, 1 शमूएल 1:6, 1 शमूएल 1:9–10, 1 शमूएल 1:11, 1 शमूएल 1:12–14, 1 शमूएल 1:15–16, 1 शमूएल 1:17–18, 1 शमूएल 1:20, 1 शमूएल 1:21–23, 1 शमूएल 1:24–25, 1 शमूएल 1:26–28, 1 शमूएल 2:1, 1 शमूएल 2:3, 1 शमूएल 2:5, 1 शमूएल 2:6, 1 शमूएल 2:7, 1 शमूएल 2:8, 1 शमूएल 2:9, 1 शमूएल 2:10, 1 शमूएल 2:11, 1 शमूएल 2:12, 1 शमूएल 2:13–14, 1 शमूएल 2:15–16, 1 शमूएल 2:17, 1 शमूएल 2:18–19, 1 शमूएल 2:20, 1 शमूएल 2:21, 1 शमूएल 2:23–24, 1 शमूएल 2:25, 1 शमूएल 2:26, 1 शमूएल 2:27–28, 1 शमूएल 2:29, 1 शमूएल 2:33, 1 शमूएल 2:34, 1 शमूएल 2:35, 1 शमूएल 2:35 (#2), 1 शमूएल 3:2–4, 1 शमूएल 3:5, 1 शमूएल 3:7, 1 शमूएल 3:8, 1 शमूएल 3:9, 1 शमूएल 3:11, 1 शमूएल 3:13, 1 शमूएल 3:14, 1 शमूएल 3:15, 1 शमूएल 3:17, 1 शमूएल 3:20, 1 शमूएल 4:1–2, 1 शमूएल 4:3, 1 शमूएल 4:4, 1 शमूएल 4:5–6, 1 शमूएल 4:7, 1 शमूएल 4:8, 1 शमूएल 4:10–11, 1 शमूएल 4:12–13, 1 शमूएल 4:14, 1 शमूएल 4:16–17, 1 शमूएल 4:18, 1 शमूएल 4:19, 1 शमूएल 4:21–22, 1 शमूएल 5:1–3, 1 शमूएल 5:4, 1 शमूएल 5:6–7, 1 शमूएल 5:8, 1 शमूएल 5:9, 1 शमूएल 5:10, 1 शमूएल 5:11, 1 शमूएल 5:12, 1 शमूएल 6:1, 1 शमूएल 6:2, 1 शमूएल 6:3–4, 1 शमूएल 6:6, 1 शमूएल 6:7, 1 शमूएल 6:9, 1 शमूएल 6:10–12, 1 शमूएल 6:13, 1 शमूएल 6:14, 1 शमूएल 6:15, 1 शमूएल 6:16, 1 शमूएल 6:17–18, 1 शमूएल 6:19, 1 शमूएल 6:21, 1 शमूएल 7:1, 1 शमूएल 7:2, 1 शमूएल 7:3–4, 1 शमूएल 7:5–6, 1 शमूएल 7:7–8, 1 शमूएल 7:9, 1 शमूएल 7:10, 1 शमूएल 7:12, 1 शमूएल 7:14, 1 शमूएल 7:15–17, 1 शमूएल 8:1–3, 1 शमूएल 8:4–5, 1 शमूएल 8:6, 1 शमूएल 8:7, 1 शमूएल 8:8–9, 1 शमूएल 8:10–12, 1 शमूएल 8:13–15, 1 शमूएल 8:16–17, 1 शमूएल 8:18, 1 शमूएल 8:19–20, 1 शमूएल 8:21–22, 1 शमूएल 9:1–2, 1 शमूएल 9:3–4, 1 शमूएल 9:5, 1 शमूएल 9:6, 1 शमूएल 9:7–8, 1 शमूएल 9:9–11, 1 शमूएल 9:12–13, 1 शमूएल 9:15–16, 1 शमूएल 9:17–19, 1 शमूएल 9:20–21, 1 शमूएल 9:23–24, 1 शमूएल 9:25–26, 1 शमूएल 9:27, 1 शमूएल 10:1, 1 शमूएल 10:2, 1 शमूएल 10:3–4, 1 शमूएल 10:5–6, 1 शमूएल 10:7–8, 1 शमूएल 10:9, 1 शमूएल 10:11–13, 1 शमूएल 10:14, 1 शमूएल 10:15–16, 1 शमूएल 10:17–19, 1 शमूएल 10:20–21, 1 शमूएल 10:22, 1 शमूएल 10:24, 1 शमूएल 10:25, 1 शमूएल 10:27, 1 शमूएल 11:1–2, 1 शमूएल 11:3, 1 शमूएल 11:4–5, 1 शमूएल 11:6–8, 1 शमूएल 11:9, 1 शमूएल 11:10, 1 शमूएल 11:11, 1 शमूएल 11:12–13, 1 शमूएल 11:14–15, 1 शमूएल 12:4–5, 1 शमूएल 12:6–7, 1 शमूएल 12:8–9, 1 शमूएल 12:10–11, 1 शमूएल 12:12–13, 1 शमूएल 12:14–15, 1 शमूएल 12:16, 1 शमूएल 12:17–18, 1 शमूएल 12:19–20, 1 शमूएल 12:22, 1 शमूएल 12:23, 1 शमूएल 12:24, 1 शमूएल 13:2, 1 शमूएल 13:3–4, 1 शमूएल 13:5, 1 शमूएल 13:6–7, 1 शमूएल 13:8–10, 1 शमूएल 13:11–12, 1 शमूएल 13:13, 1 शमूएल 13:13–14, 1 शमूएल 13:17, 1 शमूएल 13:19, 1 शमूएल 13:22, 1 शमूएल 14:1, 1 शमूएल 14:2–3, 1 शमूएल 14:6, 1 शमूएल 14:7, 1 शमूएल 14:8–10, 1 शमूएल 14:11–12, 1 शमूएल 14:13–14, 1 शमूएल 14:16–17, 1 शमूएल 14:18–19, 1 शमूएल 14:21, 1 शमूएल 14:23, 1 शमूएल 14:24, 1 शमूएल 14:27, 1 शमूएल 14:29–30, 1 शमूएल 14:33–34, 1 शमूएल 14:37, 1 शमूएल 14:38–39, 1 शमूएल 14:42, 1 शमूएल 14:45, 1 शमूएल 14:47–48, 1 शमूएल 15:2–3, 1 शमूएल 15:6–7, 1 शमूएल 15:8–9, 1 शमूएल 15:10–11, 1 शमूएल 15:12–13, 1 शमूएल 15:14, 1 शमूएल 15:15, 1 शमूएल 15:17–19, 1 शमूएल 15:20–21, 1 शमूएल 15:22–23, 1 शमूएल 15:24, 1 शमूएल 15:26, 1 शमूएल 15:28, 1 शमूएल 15:32–33, 1 शमूएल 16:1, 1 शमूएल 16:2, 1 शमूएल 16:3, 1 शमूएल 16:4, 1 शमूएल 16:6, 1 शमूएल 16:7, 1 शमूएल 16:10, 1 शमूएल 16:11, 1 शमूएल 16:13, 1 शमूएल 16:14, 1 शमूएल 16:16, 1 शमूएल 16:19, 1 शमूएल 16:21, 1 शमूएल 16:23, 1 शमूएल 17:2, 1 शमूएल 17:5, 1 शमूएल 17:6, 1 शमूएल 17:8, 1 शमूएल 17:9, 1 शमूएल 17:11, 1 शमूएल 17:13, 1 शमूएल 17:16, 1 शमूएल 17:20, 1 शमूएल 17:23, 1 शमूएल 17:25, 1 शमूएल 17:26, 1 शमूएल 17:28, 1 शमूएल 17:32, 1 शमूएल 17:35, 1 शमूएल 17:36, 1 शमूएल 17:39, 1 शमूएल 17:42, 1 शमूएल 17:45, 1 शमूएल 17:46, 1 शमूएल 17:48, 1 शमूएल 17:51, 1 शमूएल 17:53, 1 शमूएल 17:57, 1 शमूएल 18:1, 1 शमूएल 18:4, 1 शमूएल 18:5, 1 शमूएल 18:8, 1 शमूएल 18:11, 1 शमूएल 18:14, 1 शमूएल 18:17, 1 शमूएल 18:20, 1 शमूएल 18:22, 1 शमूएल 18:23, 1 शमूएल 18:25, 1 शमूएल 18:27, 1 शमूएल 18:30, 1 शमूएल 19:2, 1 शमूएल 19:4, 1 शमूएल 19:6, 1 शमूएल 19:8, 1 शमूएल 19:11, 1 शमूएल 19:12, 1 शमूएल 19:15, 1 शमूएल 19:16, 1 शमूएल 19:18, 1 शमूएल 19:20, 1 शमूएल 19:21–22, 1 शमूएल 19:24, 1 शमूएल 20:2, 1 शमूएल 20:3, 1 शमूएल 20:5, 1 शमूएल 20:6, 1 शमूएल 20:8, 1 शमूएल 20:11, 1 शमूएल 20:13, 1 शमूएल 20:17, 1 शमूएल 20:21, 1 शमूएल 20:24, 1 शमूएल 20:26, 1 शमूएल 20:29, 1 शमूएल 20:30, 1 शमूएल 20:34, 1 शमूएल 20:36, 1 शमूएल 20:42, 1 शमूएल 21:2, 1 शमूएल 21:4, 1 शमूएल 21:6, 1 शमूएल 21:7, 1 शमूएल 21:8, 1 शमूएल 21:10, 1 शमूएल 21:13, 1 शमूएल 21:14, 1 शमूएल 22:2, 1 शमूएल 22:4, 1 शमूएल 22:6, 1 शमूएल 22:8, 1 शमूएल 22:10, 1 शमूएल 22:13, 1 शमूएल 22:17, 1 शमूएल 22:19, 1 शमूएल 22:20, 1 शमूएल 22:22, 1 शमूएल 23:1–2, 1 शमूएल 23:3–4, 1 शमूएल 23:5, 1

*शमूएल 23:7–8, 1 शमूएल 23:9, 1 शमूएल 23:10–11, 1 शमूएल 23:12, 1 शमूएल 23:13–14, 1 शमूएल 23:15, 1 शमूएल 23:18, 1 शमूएल 23:25, 1 शमूएल 23:26–27, 1 शमूएल 23:28, 1 शमूएल 24:1–2, 1 शमूएल 24:4, 1 शमूएल 24:5–7, 1 शमूएल 24:8, 1 शमूएल 24:10–11, 1 शमूएल 24:16, 1 शमूएल 24:17–18, 1 शमूएल 24:20, 1 शमूएल 24:21–22, 1 शमूएल 25:3, 1 शमूएल 25:3 (#2), 1 शमूएल 25:4, 1 शमूएल 25:7, 1 शमूएल 25:8, 1 शमूएल 25:9–11, 1 शमूएल 25:13, 1 शमूएल 25:14–15, 1 शमूएल 25:17, 1 शमूएल 25:18–19, 1 शमूएल 25:20, 1 शमूएल 25:21–22, 1 शमूएल 25:23–24, 1 शमूएल 25:25–26, 1 शमूएल 25:27–28, 1 शमूएल 25:28, 1 शमूएल 25:29, 1 शमूएल 25:32, 1 शमूएल 25:33, 1 शमूएल 25:34, 1 शमूएल 25:36, 1 शमूएल 25:37–38, 1 शमूएल 25:39–40, 1 शमूएल 25:42, 1 शमूएल 25:44, 1 शमूएल 26:2, 1 शमूएल 26:4, 1 शमूएल 26:5, 1 शमूएल 26:6–7, 1 शमूएल 26:9, 1 शमूएल 26:10, 1 शमूएल 26:11–12, 1 शमूएल 26:13, 1 शमूएल 26:15–16, 1 शमूएल 26:17–18, 1 शमूएल 26:19, 1 शमूएल 26:21, 1 शमूएल 26:22, 1 शमूएल 26:24, 1 शमूएल 27:1, 1 शमूएल 27:4, 1 शमूएल 27:5–6, 1 शमूएल 27:8–9, 1 शमूएल 27:10, 1 शमूएल 27:11, 1 शमूएल 27:12, 1 शमूएल 28:1–2, 1 शमूएल 28:3, 1 शमूएल 28:4, 1 शमूएल 28:5–7, 1 शमूएल 28:8–9, 1 शमूएल 28:10, 1 शमूएल 28:11–12, 1 शमूएल 28:13–14, 1 शमूएल 28:15, 1 शमूएल 28:16–17, 1 शमूएल 28:19, 1 शमूएल 28:22, 1 शमूएल 28:24–25, 1 शमूएल 29:3, 1 शमूएल 29:4, 1 शमूएल 29:6–7, 1 शमूएल 29:9, 1 शमूएल 29:10, 1 शमूएल 30:1–2, 1 शमूएल 30:3–4, 1 शमूएल 30:5–6, 1 शमूएल 30:8, 1 शमूएल 30:8 (#2), 1 शमूएल 30:10, 1 शमूएल 30:12, 1 शमूएल 30:13, 1 शमूएल 30:15, 1 शमूएल 30:16–17, 1 शमूएल 30:18, 1 शमूएल 30:22, 1 शमूएल 30:23–24, 1 शमूएल 30:26, 1 शमूएल 31:1, 1 शमूएल 31:2, 1 शमूएल 31:3, 1 शमूएल 31:4, 1 शमूएल 31:4 (#2), 1 शमूएल 31:5, 1 शमूएल 31:7, 1 शमूएल 31:9, 1 शमूएल 31:11–12, 1 शमूएल 31:13*

## 1 शमूएल 1:1–2

**एल्काना की दो पत्नियाँ कौन थीं?**

एल्काना की पत्नियाँ हन्ना और पनिन्ना थीं।

## 1 शमूएल 1:2

**हन्ना के कितने बालक थे?**

हन्ना के बालक नहीं थे।

## 1 शमूएल 1:5

**एल्काना ने हन्ना को दो गुना दान क्यों दिया?**

उसने हन्ना को दो गुना दान दिया क्योंकि वह उससे प्रेम करता था।

## 1 शमूएल 1:6

**हन्ना की सौत ने उन्हें क्यों उकसाया?**

उसने हन्ना को चिढ़ाने के लिए उकसाया, क्योंकि यहोवा ने उनकी कोख बंद कर दी थी।

## 1 शमूएल 1:9–10

**हन्ना ने संतान न होने के कारण अत्यधिक दुखी होकर क्या किया?**

वह यहोवा के मन्दिर में गईं और प्रार्थना करने और बिलख-बिलख कर रोने लगी।

## 1 शमूएल 1:11

**हन्ना ने यहोवा से क्या मन्नत मानी?**

हन्ना ने मन्नत मानी कि यदि यहोवा उसे एक पुत्र देंगे, तो वह उसे उसके जीवन भर के लिये यहोवा को अर्पण करेगी, और उसके सिर पर छुरा फिरने न पाएगा।

## 1 शमूएल 1:12–14

**क्योंकि हन्ना अपने मन में यहोवा से प्रार्थना कर रही थीं, एली, याजक, ने उनके कार्यों के बारे में क्या सोचा?**

एली ने हन्ना के होंठों को हिलते देखा, परन्तु उसकी आवाज़ नहीं सुनी, इसलिए उन्होंने सोचा कि वह नशे में है।

## 1 शमूएल 1:15–16

**हन्ना ने एली से क्या कहा कि वह क्या कर रही थी?**

हन्ना ने एली से कहा कि उसने न तो दाखमधु पिया है और न मदिरा, परन्तु अपने मन की बात खोलकर यहोवा से कही है।

## 1 शमूएल 1:17–18

**एली ने हन्ना से क्या कहा जिससे वह चली गई, खाना खाया और उसका मुँह फिर उदास न रहा?**

एली ने कहा कुशल से चली जा, इस्राएल का परमेश्वर तुझे मन चाहा वर दे।

## 1 शमूएल 1:20

**जब हन्ना गर्भवती हुई और एक पुत्र को जन्म दिया, तब उसने उसका नाम क्या रखा?**

हन्ना ने अपने पुत्र का नाम शमूएल रखा क्योंकि उसने उसे यहोवा से माँगा था।

## 1 शमूएल 1:21–23

**हन्ना अपने पति के साथ वार्षिक बलिदान के लिए मन्दिर क्यों नहीं जाती थी?**

क्योंकि वह अभी भी अपने पुत्र को दूध पिला रही थी।

## 1 शमूएल 1:24–25

**हन्ना अपने पुत्र समेत यहोवा के भवन में एली याजक को देने के लिए क्या ले गई?**

हन्ना तीन बछड़े, और एपा भर आटा, और कुप्पी भर दाखमधु बलिदान के रूप में याजक को देने के लिए ले गई।

## 1 शमूएल 1:26–28

**हन्ना ने यहोवा को क्या अर्पण किया?**

हन्ना ने अपने पुत्र को यहोवा को अर्पण कर दिया ताकि वह अपने जीवन भर यहोवा ही का बना रहे।

## 1 शमूएल 2:1

**हन्ना ने अपने शत्रुओं के विरुद्ध साहसपूर्वक क्यों बोला?**

हन्ना ने साहसपूर्वक कहा क्योंकि वह यहोवा के उद्धार से आनन्दित है।



## 1 शमूएल 2:3

**हन्ना क्यों कहती है कि हमें अहंकार या अंधेर की बातें नहीं करनी चाहिए?**

हमें फूलकर अहंकार या अंधेर की बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि यहोवा ज्ञानी परमेश्वर है, और कामों को तौलनेवाला है।

## 1 शमूएल 2:5

**हन्ना के गीत में वह कौन है जो दुःख से भरा हुआ है?**

अनेक बालकों की माता घुलती जाती है।

## 1 शमूएल 2:6

**कौन मारता है और जिलाता भी है, कौन अधोलोक में उतारता और उससे निकालता भी है?**

यहोवा मारता है और जिलाता भी है; वही अधोलोक में उतारता और उससे निकालता भी है।

## 1 शमूएल 2:7

**निर्धन और धनी को कौन बनाता है?**

यहोवा निर्धन करता है और धनी भी बनाता है।

## 1 शमूएल 2:8

**कौन कंगाल को धूलि में से उठाता और दरिद्र को घूरे में से निकाल खड़ा करता है?**

यहोवा कंगाल को धूलि में से उठाता और दरिद्र को घूरे में से निकाल खड़ा करता है।

## 1 शमूएल 2:9

**हन्ना क्या कहती है की कौन अपने भक्तों के पाँवों को सम्भाले रहेगा, और अंधकार में दुष्टों को चुप कर देगा?**

यहोवा उनके पाँवों को सम्भाले रहेगा और दुष्टों को चुप करेगा।

## 1 शमूएल 2:10

**कौन पृथ्वी की छोर तक न्याय करेगा; और अपने राजा को बल देगा?**

यहोवा पृथ्वी की छोर तक न्याय करेगा; और अपने राजा को बल देगा।

## 1 शमूएल 2:11

**कौन सा बालक एली याजक के सामने यहोवा की सेवा टहल करने लगा?**

शमूएल एली याजक के सामने यहोवा की सेवा टहल करने लगा।

## 1 शमूएल 2:12

**किसके पुत्र लुच्चे थे?**

याजक एली के पुत्र लुच्चे थे।

## 1 शमूएल 2:13-14

**बलिदान के समय याजकों की रीति लोगों के साथ क्या थी?**

उनकी रीति यह थी कि याजकों का सेवक नोकवाला काँटा लेकर आता था ताकि याजक अपने लिये माँस निकाल ले।

## 1 शमूएल 2:15-16

**याजक के पुत्रों ने अपने सेवक को कौन सी बुरी बात सिखाई?**

एली के पुत्रों ने अपने सेवकों को लोगों से यह कहने का निर्देश दिया कि वह तुझ से पका हुआ नहीं, कच्चा ही माँस लेगा।

## 1 शमूएल 2:17

**एली के पुत्रों का पाप बहुत भारी क्यों था?**

उन जवानों का पाप यहोवा की दृष्टि में बहुत भारी हुआ; क्योंकि वे मनुष्य यहोवा की भेंट का तिरस्कार करते थे।



## 1 शमूएल 2:18-19

**शमूएल की माता प्रतिवर्ष उसके लिए कौन सा कपड़ा बनाती थी?**

उसकी माता प्रतिवर्ष उसके लिये सनी का एपोद बनाकर लाती थी।

## 1 शमूएल 2:20

**एली ने एल्काना और उसकी पत्नी को कैसा आशीर्वाद दिया?**

एली ने एल्काना और उनकी पत्नी के लिए प्रार्थना की कि हन्ना के माध्यम से उनके और भी वंश हों।

## 1 शमूएल 2:21

**यहोवा ने एली की प्रार्थना का उत्तर कैसे दिया कि शमूएल के बदले परमेश्वर तुझको इस पत्नी से वंश दे?**

यहोवा ने हन्ना की सुधि ली और उसके तीन बेटे और दो बेटियाँ उत्पन्न हुईं।

## 1 शमूएल 2:23-24

**जब एली बहुत वृद्ध हो गया, तो उसने अपने बेटों से क्या कहा?**

एली ने अपने बेटों से कहा कि वे यहोवा की प्रजा से अपराध कराते हैं और यहोवा के लोगों को उनकी आज्ञा तोड़ने के लिए उकसा रहे हैं।

## 1 शमूएल 2:25

**एली के पुत्रों ने उनकी बात क्यों नहीं मानी?**

एली के पुत्रों ने उनकी बात नहीं सुनी क्योंकि यहोवा की इच्छा उन्हें मार डालने की थी।

## 1 शमूएल 2:26

**कौन यहोवा और मनुष्यों दोनों के अनुग्रह में बढ़ता गया?**

शमूएल बड़ा होता गया और यहोवा और मनुष्य दोनों उससे प्रसन्न रहते थे।

## 1 शमूएल 2:27–28

**एली को किसने कहा कि यहोवा यह कहता है क्या मैंने उसे इस्राएल के सब गोत्रों में से इसलिए चुन नहीं लिया था?**

परमेश्वर का एक जन एली के पास जाकर उससे कहने लगा यहोवा ने एली घराने को चुना था।

## 1 शमूएल 2:29

**एली ने यहोवा के बलिदानों और भेंटों का अनादर कैसे किया था?**

उन्होंने यहोवा से अधिक अपने पुत्रों का आदर किया और बलिदानों तथा भेंटों का अनादर किया।

## 1 शमूएल 2:33

**यहोवा ने एली से क्या कहा कि उसके कुल के पुरुषों के साथ क्या होगा?**

यहोवा ने एली से कहा कि एली के कुल में सब अपनी पूरी जवानी ही में मर मिटेंगे।

## 1 शमूएल 2:34

**यहोवा ने क्या कहा कि एली के कुल के सभी पुरुषों की मृत्यु का चिन्ह क्या होगा?**

एली के दोनों पुत्र एक ही दिन मर जाएँगे।

## 1 शमूएल 2:35

**यहोवा के अभिषिक्त के आगे-आगे सब दिन कौन चला फिरा करेगा?**

एक विश्वासयोग्य याजक जिसे यहोवा स्थिर करेंगे, वह यहोवा के अभिषिक्त के आगे-आगे सब दिन चला फिरा करेगा।

## 1 शमूएल 2:35 (#2)

**एली के कुल के सब लोग क्यों आकर विश्वासयोग्य याजक के सामने दण्डवत् करेंगे?**

वे उससे कहेंगे की याजक के किसी काम में मुझे लगा, जिससे मुझे एक टुकड़ा रोटी मिले।



## 1 शमूएल 3:2–4

**जब शमूएल अपने स्थान में लेटा हुआ था और उसने यहोवा को पुकारते सुना तो उसका उत्तर क्या था?**

शमूएल ने उत्तर दिया, "क्या आज्ञा।"

## 1 शमूएल 3:5

**जब शमूएल एली के पास दौड़कर गया, तो एली ने शमूएल से क्या करने के लिए कहा?**

एली ने कहा कि उसने शमूएल को नहीं बुलाया, और उसे फिर से जाकर लेटने के लिए कहा।

## 1 शमूएल 3:7

**शमूएल पर क्या कभी प्रगट नहीं हुआ था?**

यहोवा का कोई वचन उस पर प्रगट नहीं हुआ था

## 1 शमूएल 3:8

**जब शमूएल तीसरी बार एली के पास आया तो उसे क्या समझ आया?**

एली ने समझ लिया कि इस बालक को यहोवा ने पुकारा है

## 1 शमूएल 3:9

**यदि यहोवा फिर से शमूएल को पुकारें, तो एली ने उसे क्या कहने के लिए कहा?**

एली ने शमूएल से कहा की कहना, "कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।"

## 1 शमूएल 3:11

**यहोवा ने क्या कहा कि जब सब लोग सुनेंगे कि यहोवा क्या करने जा रहा है तो क्या होगा?**

यहोवा ने कहा कि वे ऐसा काम करने जा रहे हैं, जिससे सब सुननेवालों पर बड़ा सन्नाटा छा जाएगा।

## 1 शमूएल 3:13

**एली के पुत्रों ने अपने ऊपर क्या लाया?**

एली के पुत्रों ने अपने ऊपर एक श्राप ले लिया।

## 1 शमूएल 3:14

**मेलबलि या अन्नबलि से किस बात का प्रायश्चित कभी नहीं हो सकता?**

एली के घर के पाप कभी भी मेलबलि या अन्नबलि के द्वारा प्रायश्चित नहीं किए जा सकेंगे।

## 1 शमूएल 3:15

**भोर को यहोवा के भवन के द्वार खोलने के बाद शमूएल क्या करने से डर रहा था?**

वह एली को यहोवा से प्राप्त दर्शन के बारे में बताने से डर रहा था।

## 1 शमूएल 3:17

**जब एली ने शमूएल से कहा कि यहोवा के कहे वचनों को उससे न छिपाएँ, तो उसने क्या किया?**

शमूएल ने उन्हें सब कुछ बता दिया और एली से कुछ भी नहीं छिपाया।

## 1 शमूएल 3:20

**दान से बेर्शेबा तक सभी इस्राएलि शमूएल के बारे में क्या जान गए ?**

सारा इस्राएल जान गया कि शमूएल यहोवा के नबी के रूप में नियुक्त किया था।

## 1 शमूएल 4:1–2

**इस्राएल और फिलिस्तीनियों के बीच युद्ध का परिणाम क्या हुआ?**

इस्राएल को पलिश्तियों ने पराजित कर दिया था।

## 1 शमूएल 4:3

**इस्राएल के वृद्ध लोगों ने क्या करने का निर्णय लिया ताकि वे अपने शत्रुओं के हाथ से बचे रह सकें?**



वृद्ध लोगों ने निर्णय लिया कि वे वाचा का सन्दूक शीलो से माँग लाए।

## 1 शमूएल 4:4

**सेनाओं के यहोवा के वाचा के सन्दूक के साथ कौन था?**

एली के दो पुत्र, होप्नी और पीनहास, वाचा के सन्दूक के साथ थे।

## 1 शमूएल 4:5–6

**जब पलिश्तियों ने इस्राएल के सभी लोगों की बड़ी ललकार सुनी तो उन्हें क्या आश्चर्य हुआ?**

पलिश्ती यह जानने के लिए उत्सुक थे कि इब्रानियों के शिविर में जोरदार चिल्लाहट का क्या अर्थ है।

## 1 शमूएल 4:7

**पलिश्तियों ने पूछा कि इब्रानियों के छावनी में कौन आया है?**

पलिश्तियों ने कहा कि परमेश्वर इब्रानियों के छावनी में आ गए हैं।

## 1 शमूएल 4:8

**पलिश्तियों ने क्या कहा कि परमेश्वर ने जंगल में मिस्रियों पर कैसे आक्रमण किया था?**

उन्होंने कहा कि परमेश्वर ने मिस्रवासियों पर सब प्रकार की विपत्तियाँ डाली थीं।

## 1 शमूएल 4:10–11

**जब पलिश्तियों ने इस्राएलियों से युद्ध करके उन्हें हरा दिया, तब एली के दो पुत्रों का क्या हुआ?**

एली के दोनों पुत्र, होप्नी और पीनहास, मारे गए।

## 1 शमूएल 4:12–13

**जब सेना में से आये मनुष्य ने नगर में प्रवेश किया और समाचार दिया तो सारे नगर ने क्या किया?**

उस मनुष्य ने नगर में पहुँचकर वह समाचार दिया वैसे ही सारा नगर चिल्ला उठा।

## 1 शमूएल 4:14

**जब एली ने नगर में चिल्लाने का शब्द सुना, तो उसने कौन सा प्रश्न पूछा?**

एली ने पूछा कि ऐसे हुल्लड़ और हाहाकार मचने का क्या कारण है।

## 1 शमूएल 4:16–17

**पुरुष ने एली को क्या बताया कि उसके पुत्रों और परमेश्वर के सन्दूक के साथ क्या हुआ जब इस्राएल को पलिश्तियों ने पराजित किया।**

पुरुष ने एली से कहा कि उसके दोनों पुत्र मारे गए और परमेश्वर का सन्दूक छीन लिया गया है।

## 1 शमूएल 4:18

**जब एली फाटक के पास अपनी कुर्सी से पीछे की ओर गिरा, तो उसे कौन सी चोट लगी जिससे वह मर गया?**

एली की गर्दन टूट गई और वह मर गया।

## 1 शमूएल 4:19

**जब पीनहास की गर्भवती पत्नी ने सुना कि सन्दूक छीन लिया गया है और अपने ससुर और पति के मरने का समाचार सुना, तो क्या हुआ?**

पीनहास की पत्नी को जच्चा का दर्द उठा, और वह दुहर गई।

## 1 शमूएल 4:21–22

**पीनहास की पत्नी ने बालक का क्या नाम रखा और उसने उसे वह नाम क्यों दिया?**

उसने बालक का नाम ईकाबोद रखा क्योंकि इस्राएल से महिमा उठ गई थी।



## 1 शमूएल 5:1–3

**जब पलिश्तियों ने परमेश्वर के सन्दूक को दागोन के घर में लाए तो अगले दिन लोगों ने दागोन की मूर्ति को किस स्थिति में पाया?**

दागोन यहोवा के सन्दूक के सामने औंधे मुँह भूमि पर गिरा पड़ा पाया गया।

## 1 शमूएल 5:4

**अगली सुबह जब उन्होंने उसे सन्दूक के सामने उसकी जगह पर वापस रखा, तो मूर्ति दागोन का केवल क्या रह गया था?**

केवल दागोन का धड़ समूचा बचा था और उसका सिर और दोनों हथेलियाँ डेवढ़ी पर कटे हुए पड़े थे।

## 1 शमूएल 5:6–7

**अश्दोद के पुरुषों ने क्यों कहा कि सन्दूक उनके साथ नहीं रहना चाहिए?**

इस्राएल के परमेश्वर का हाथ उन पर और उनके देवता दागोन पर कठोरता के साथ पड़ा था।

## 1 शमूएल 5:8

**पलिश्ती इस्राएल के परमेश्वर के सन्दूक को कहाँ ले गए?**

पलिश्ती सन्दूक को गत ले गए।

## 1 शमूएल 5:9

**यहोवा ने गत के पुरुषों को किससे पीड़ित किया था?**

यहोवा ने उन्हें गिलटियों से ग्रस्त किया।

## 1 शमूएल 5:10

**एक्रोन के लोगों ने क्या कहा कि इस्राएल के परमेश्वर उनके साथ क्या करेंगे क्योंकि सन्दूक उनके नगर भेजा गया था?**

उन्होंने कहा कि इस्राएल के परमेश्वर उन्हें और उनके लोगों को मरवा डालेंगे।

## 1 शमूएल 5:11

**एक्रोन के लोगों ने सरदारों से पवित्र सन्दूक को किस स्थान पर भेजने की प्रार्थना की?**

उन्होंने अनुरोध किया कि सन्दूक को निकाल दो, कि वह अपने स्थान पर लौट जाए।

## 1 शमूएल 5:12

**नगर के लोगों की चिल्लाहट किस स्थान तक पहुँची?**

नगर के लोगों की चिल्लाहट आकाश तक पहुँची।

## 1 शमूएल 6:1

**यहोवा का सन्दूक पलिश्तियों के देश में कितने समय तक रहा?**

सन्दूक पलिश्तियों के देश में सात महीने तक रहा।

## 1 शमूएल 6:2

**पलिश्तियों ने यहोवा के सन्दूक को उनके स्थान पर वापस भेजने के बारे में सलाह लेने के लिए किसे बुलाया?**

उन्होंने याजकों और भावी कहनेवालों को बुलाया ताकि वे उन्हें बता सकें कि सन्दूक को उसके अपने स्थान में कैसे भेजा जाए।

## 1 शमूएल 6:3–4

**याजकों और भावी कहनेवालों ने पलिश्ती लोगों को इस्राएल के परमेश्वर को दोषबलि के रूप में क्या भेंट भेजने को कहा?**

उन्होंने पलिश्तियों से कहा कि वे पाँच गिलटियाँ, और सोने के पाँच चूहे भेजें।

## 1 शमूएल 6:6

**याजकों और भावी कहनेवालों ने क्यों कहा कि परमेश्वर ने मिस्रियों और फ़िरौन के मध्य में क्यों अचम्भित काम किए?**

परमेश्वर ने मिस्रियों और फ़िरौन के मध्य में अचम्भित काम किए क्योंकि उन्होंने अपने मन हठीले कर दिए थे।



## 1 शमूएल 6:7

**याजकों और भावी कहनेवालों ने पलिश्तियों से क्या कहा कि वे यहोवा के सन्दूक को जिस गाड़ी पर रखना था, उस पर कौन से पशु बांधें?**

उन्होंने पलिश्तियों से कहा कि वे गाड़ी में दो दुधार गायों को जोत दें।

## 1 शमूएल 6:9

**पलिश्तियों को कैसे पता चलता कि यह यहोवा ही थे जिसने उन पर यह बड़ी हानि डाली थी?**

पलिश्तियों को यह बात तब पता चल जाती यदि गाड़ी खींचने वाली गायें स्वयं बेतशेमेश की ओर जातीं।

## 1 शमूएल 6:10–12

**दुधार गायें, उस गाड़ी के साथ कहाँ चली गईं जिसमें सन्दूक और सोने के चूहे और गिलटियों की मूरत थे?**

तब गायों ने बेतशेमेश का सीधा मार्ग लिया।

## 1 शमूएल 6:13

**जब बेतशेमेश के लोग अपनी आँखें उठाकर सन्दूक को देखा, तब वे क्या कर रहे थे?**

वे तराई में गेहूँ काट रहे थे।

## 1 शमूएल 6:14

**बेतशेमेश के लोगों ने गाड़ी खींचने वाली गायों का क्या किया?**

उन्होंने गायों को यहोवा के लिए होमबलि के रूप में चढ़ाया।

## 1 शमूएल 6:15

**यहोवा के सन्दूक और उसके साथ जो सन्दूक थे, उसे किसने उतारा?**

लेवियों ने यहोवा की सन्दूक और उसके साथ जो अन्य वस्तुएँ थीं, उन्हें उतारा।

## 1 शमूएल 6:16

**जब पलिश्तियों के पाँचों सरदारों ने देखा कि बेथशेमेश के लोगों ने क्या किया है, तब उन्होंने क्या किया?**

वे उसी दिन एक्रोन वापस लौट गए।

## 1 शमूएल 6:17-18

**सोने की गिलटियाँ और पाँच सोने के चूहों की संख्या का क्या महत्व था?**

सोने की गिलटियाँ और पाँच सोने के चूहों की संख्या उन सब पलिश्तियों नगरों की संख्या के बराबर थी जो पाँच सरदारों के अधीन थे।

## 1 शमूएल 6:19

**यहोवा ने बेतशेमेश के सत्तर पुरुषों को क्यों मारा?**

यहोवा ने उन्हें मार डाला क्योंकि उन्होंने उनके पवित्र सन्दूक में झाँका था।

## 1 शमूएल 6:21

**दूतों ने किर्यत्यारीम के निवासियों से उस सन्दूक के विषय में क्या करने को कहा जिसे पलिश्ती वापस ले आए थे?**

दूतों ने किर्यत्यारीम के निवासियों से कहा कि वे आकर सन्दूक को अपने यहाँ ले जाए।

## 1 शमूएल 7:1

**किर्यत्यारीम के लोगों ने अबीनादाब के पुत्र एलीआजर के साथ क्या किया ताकि वह यहोवा के सन्दूक की रक्षा कर सके?**

उन्होंने उसे यहोवा के सन्दूक की रक्षा करने के लिए पवित्र किया।

## 1 शमूएल 7:2

**जब सन्दूक किर्यत्यारीम में बीस वर्ष तक रहा, तब इस्राएल के सारे घराने ने क्या किया?**

इस्राएल का सारा घराना विलाप करता हुआ यहोवा के पीछे चलने लगा।

## 1 शमूएल 7:3-4

**इस्राएल के लोगों को अपने बीच से क्या दूर करने की आवश्यकता थी ताकि यहोवा उन्हें पलिश्तियों के हाथ से छुड़ाए?**

उन्हें अपने बीच से पराए देवताओं और अश्तोरेत देवियों को हटाना था और केवल यहोवा की उपासना करनी थी।

## 1 शमूएल 7:5-6

**जब इस्राएल के लोग मिस्पा में इकट्ठे हुए और जल भर के यहोवा के सामने उण्डेल दिया, तो उन्होंने क्या स्वीकार किया?**

उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था।

## 1 शमूएल 7:7-8

**इस्राएल के लोगों ने पलिश्तियों के बारे में क्या सुना जिससे वे भयभीत हुए और उन्होंने शमूएल से यहोवा को दुहाई देने के लिए कहा?**

उन्होंने सुना कि पलिश्तियों के सरदारों ने इस्राएल पर चढ़ाई की है।

## 1 शमूएल 7:9

**जब शमूएल ने एक दूध पीता मेम्ना लिया, सर्वांग होमबलि करके यहोवा को चढ़ाया और यहोवा दुहाई दी, तो यहोवा ने क्या किया?**

यहोवा ने उसकी सुन ली।

## 1 शमूएल 7:10

**यहोवा ने ऐसा क्या किया जिससे पलिश्ती भ्रमित हो गए जब वे इस्राएल पर हमला करने के लिए आए?**

उस दिन यहोवा ने पलिश्तियों के ऊपर बादल को बड़े कड़क के साथ गरजाकर उन्हें घबरा दिया।

## 1 शमूएल 7:12

**शमूएल ने मिस्पा और शेन के बीच यहोवा की सहायता के स्मरण के रूप में क्या स्थापित किया?**

शमूएल ने एक पत्थर लिया और उसे खड़ा किया।

## 1 शमूएल 7:14

**पलिश्तियों द्वारा इस्राएल से लिए गए नगरों का क्या हुआ?**

वे फिर इस्राएलियों के वश में आ गए।

## 1 शमूएल 7:15–17

**शमूएल ने बेतेल, गिलगाल, मिस्पा और फिर रामाह लौटते समय क्या किया?**

शमूएल उन सब स्थानों में इस्राएलियों का न्याय करता था।

## 1 शमूएल 8:1–3

**शमूएल के दो पुत्र, जो न्यायी थे, अपने पिता के मार्गों पर क्यों नहीं चले?**

वे लालच में आकर घूस लेते और न्याय बिगाड़ते थे।

## 1 शमूएल 8:4–5

**इस्राएल के वृद्ध लोगों ने शमूएल से क्या कहा?**

उन्होंने शमूएल से कहा कि वह उनके लिए एक राजा नियुक्त करे जो सब जातियों की रीति के अनुसार उनका भी न्याय करे, क्योंकि वह बूढ़ा हो गया था और उसके पुत्र उसके राह पर नहीं चलते थे।

## 1 शमूएल 8:6

**जब शमूएल को इस्राएल के वृद्ध लोगों द्वारा उन्हें राजा देने की मांग बुरी लगी, तो उसने क्या किया?**

शमूएल ने यहोवा से प्रार्थना की।

## 1 शमूएल 8:7

**यहोवा ने शमूएल से यह क्यों कहा कि वह लोगों की हर बात माने?**



यहोवा ने शमूएल से कहा, "वे लोग जो कुछ तुझ से कहें उसे मान ले; क्योंकि उन्होंने तुझको नहीं परन्तु मुझी को निकम्मा जाना है, कि मैं उनका राजा न रहूँ।

## 1 शमूएल 8:8–9

**यहोवा ने शमूएल से इस्राएल के लोगों को कौन सी चेतावनी देने के लिए कहा था?**

यहोवा ने शमूएल से कहा कि वह इस्राएल के लोगों को गम्भीरता से भली भाँति समझा दे कि जो राजा उन पर राज्य करेगा उसका व्यवहार किस प्रकार होगा।

## 1 शमूएल 8:10–12

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को क्या चेतावनी दी थी कि राजा किस तरह उनके बेटों को उनसे छीन लेगा?**

शमूएल ने लोगों को चेतावनी दी कि राजा उनके पुत्रों को लेकर अपने रथों और घोड़ों के काम पर नौकर रखेगा, वह उनसे अपने हल जुतवाएगा और अपने खेत कटवाएगा, और अपने लिये युद्ध के हथियार और रथों के साज बनवाएगा।

## 1 शमूएल 8:13–15

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को क्या चेतावनी दी कि राजा उनकी बेटियों के साथ क्या करेगा?**

शमूएल ने उन्हें चेतावनी दी कि राजा उनकी बेटियों को लेकर उनसे सुगन्ध-द्रव्य और रसोई और रोटियाँ बनवाएगा।

## 1 शमूएल 8:16–17

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को क्या चेतावनी दी कि राजा उनके दास दासियों, जवानों और पशुओं के साथ क्या करेगा?**

शमूएल ने उन्हें चेतावनी दी कि राजा उनके दास दासियों को, और तुम्हारे अच्छे से अच्छे जवानों को, और तुम्हारे गदहों को भी लेकर अपने काम में लगाएगा, उनके भेड़-बकरियों का भी दसवाँ अंश लेगा; इस प्रकार तुम लोग उसके दास बन जाओगे।

## 1 शमूएल 8:18

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को क्या चेतावनी दी थी कि जब वे अपने लिए चुने गए राजा के कारण दुहाई देंगे तो क्या होगा?**

शमूएल ने कहा कि जब वे यहोवा को पुकारेंगे, यहोवा उस समय उनकी न सुनेंगे।

## 1 शमूएल 8:19–20

**इस्राएल के लोगों ने शमूएल की चेतावनियों पर कैसे प्रतिक्रिया दी?**

लोगों ने आग्रह किया कि वे फिर भी अपने ऊपर एक राजा चाहते हैं ताकि वे सब जातियों के समान हो जाएँ और उनके पास एक राजा हो जो उनका न्याय करे और उनकी युद्ध लड़े।

## 1 शमूएल 8:21–22

**जब शमूएल ने लोगों की बातें यहोवा के कानों तक पहुचाई, तो यहोवा ने क्या कहा?**

तब भी यहोवा ने शमूएल से कहा कि लोगों की बात मानें और उनके लिये राजा ठहरा दे।

## 1 शमूएल 9:1–2

**कीश के पुत्र शाऊल की मुख्य शारीरिक विशेषताएँ क्या थीं?**

शाऊल एक सुन्दर युवा था, वह इतना लम्बा था कि दूसरे लोग उसके कंधे ही तक आते थे।

## 1 शमूएल 9:3–4

**जब कीश ने अपने बेटे शाऊल से कहा कि वह उसकी खोई हुई गदहियों को ढूँढ़ लाए, तो इसका परिणाम क्या हुआ?**

शाऊल ने एक सेवक को साथ लिया और खोए हुए गधों को न पाकर अनेक स्थानों से गुजरा।

## 1 शमूएल 9:5

**जब वे सूफ नामक देश में पहुंचे, तो शाऊल ने अपने सेवक से क्या करने के लिए कहा?**

शाऊल ने अपने सेवकों से कहा कि उन्हें वापस लौट जाना चाहिए, नहीं तो उनका पिता गदहियों की चिन्ता छोड़कर उनकी चिन्ता करने लगेगा।

## 1 शमूएल 9:6

**सेवक ने शाऊल को कौन सा नया विचार बताया?**

सेवक ने शाऊल से कहा कि उन्हें नगर में परमेश्वर के एक जन के पास चाहिए, जो उन्हें उनका मार्ग बताए कि किधर जाएँ।

## 1 शमूएल 9:7–8

**सेवक के पास परमेश्वर के जन को देने के लिए क्या था ताकि वह उन्हें बता सके कि किधर जाए?**

सेवक के पास परमेश्वर के जन को देने के लिए एक शेकेल चाँदी की चौथाई थी।

## 1 शमूएल 9:9–11

**शाऊल और उसके सेवक ने उन लड़कियों से क्या पूछा जो पानी भरने को निकली थीं?**

शाऊल और उनके सेवक ने पूछा कि क्या दर्शी यहाँ है ताकि वे परमेश्वर की इच्छा जान सकें।

## 1 शमूएल 9:12–13

**उस दिन दर्शी नगर क्यों आए थे?**

उस दिन दर्शी आए थे क्योंकि लोग ऊँचे स्थान पर यज्ञ कर रहे थे और दर्शी बलिदान को आशीर्वाद देने आए थे।

## 1 शमूएल 9:15–16

**यहोवा ने शमूएल को शाऊल की इस्राएल में भूमिका के बारे में क्या बताया?**

यहोवा ने शमूएल से कहा कि वह इस्राएल पर अभिषिक्त प्रधान होगा और यहोवा के लोगों को पलिश्तियों के हाथ से बचाएगा।

## 1 शमूएल 9:17–19

**जब उन्होंने प्रकट किया कि वही दर्शी हैं जिन्हें शाऊल खोज रहा था, तब शमूएल ने शाऊल को क्या निमंत्रण दिया ?**

शमूएल ने शाऊल को ऊँचे स्थान पर उनके साथ भोजन करने के लिए आमंत्रित किया।

## 1 शमूएल 9:20–21

**शमूएल ने शाऊल को जो बताया, उससे वह कैसे आश्चर्यचकित हुआ?**

हालांकि शाऊल बिन्यामीन के गोत्र के सबसे छोटे कुल से था, फिर भी इस्राएल की सभी इच्छाएं उन्हीं पर और उनके पिता के घर पर थीं।

## 1 शमूएल 9:23–24

**शमूएल ने शाऊल को बलि में चढ़ाई गई जांघ के बारे में क्या बताया?**

उन्होंने शाऊल से कहा कि यह उनके लिए नियत समय तक रखा गया था।

## 1 शमूएल 9:25–26

**ऊँचे स्थान से उतरकर नगर में आने के बाद शमूएल ने शाऊल से क्या कहा?**

शमूएल ने शाऊल से कहा कि उठ, मैं तुझको विदा करूँगा।

## 1 शमूएल 9:27

**शमूएल ने शाऊल से क्यों कहा कि उसे कुछ समय के लिए नगर के बाहरी इलाके में ही खड़ा रहना होगा?**

शमूएल ने शाऊल से कहा कि वह अभी खड़ा रहे कि शमुएल उसे परमेश्वर का वचन सुनाए।

## 1 शमूएल 10:1

**शमूएल ने शाऊल के सिर पर एक कुप्पी तेल क्यों उण्डेला और उसे क्यों चूमा?**



उन्होंने शाऊल के सिर पर तेल उण्डेला क्योंकि यहोवा ने उसे अपने निज भाग के ऊपर प्रधान ठहराकर उसका अभिषेक किया था।

## 1 शमूएल 10:2

**शमूएल ने शाऊल को भविष्य में घटने वाली कौन-सी घटना के बारे में बताया?**

शमूएल ने शाऊल से कहा कि उसे राहेल की कब्र के पास दो लोग मिलेंगे जो उसे बताएंगे कि गदहियाँ मिल गई हैं।

## 1 शमूएल 10:3–4

**शमूएल ने शाऊल से क्या कहा कि जब वह ताबोर के बांज वृक्ष के पास आएगा तो क्या होगा?**

तीन व्यक्ति उससे मिलेंगे जो बकरी के तीन बच्चे, तीन रोटियाँ और एक कुप्पी दाखमधु लिए हुए होंगे, और वे उसे दो रोटियाँ देंगे जिन्हें उसे लेना होगा।

## 1 शमूएल 10:5–6

**शमूएल ने शाऊल से क्या कहा कि जब वह पलिश्तियों की चौकी पर पहुँचेगा तो क्या होगा।**

यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरेगा जिससे वह परिवर्तित होकर और ही मनुष्य हो जाएगा और नगर से आए नबियों के एक दल के साथ वह नबूवत करेगा।

## 1 शमूएल 10:7–8

**शमूएल ने शाऊल को कौन से निर्देश दिए?**

शमूएल ने शाऊल से कहा कि वह गिलगाल जाए, और शमूएल वहाँ होमबलि और मेलबलि चढ़ाने आएँगे।

## 1 शमूएल 10:9

**जब शाऊल ने शमूएल को छोड़कर जाने के लिए अपनी पीठ फेरी, तब क्या हुआ?**

जब शाऊल ने जाने के लिए पीठ फेरी, परमेश्वर ने उसके मन को परिवर्तित किया।

## 1 शमूएल 10:11–13

**लोगों ने यह क्यों सोचा कि क्या शाऊल भी नबियों में से है?**

लोगों ने सोचा कि क्या वह अब नबियों में से है, क्योंकि उन्होंने उसे नबियों के साथ नबूवत करते हुए देखा।

## 1 शमूएल 10:14

**जब शाऊल से पूछा गया कि वह कहाँ गया था, तो उसने अपने चाचा से क्या कहा?**

शाऊल ने अपने चाचा से कहा कि जब वह और उसका सेवक गदहियों को नहीं ढूंढ पाए, तो वे शमूएल के पास गए।

## 1 शमूएल 10:15–16

**शाऊल ने अपने चाचा को शमूएल द्वारा कही गई कौन सी बात नहीं बताई?**

शमूएल ने अपने चाचा को राज्य के विषय में कही गयी बात नहीं बताई।

## 1 शमूएल 10:17–19

**यहोवा ने क्यों कहा कि इस्राएल ने उन्हें तुच्छ जाना है?**

इस्राएल ने यहोवा को तुच्छ जाना है क्योंकि उन्होंने यह माँगा था कि वह उनके ऊपर एक राजा नियुक्त करे।

## 1 शमूएल 10:20–21

**जब शाऊल को अगले राजा के रूप में चुना गया, तब क्या हुआ?**

उन्होंने शाऊल को ढूँढ़ा, परन्तु वह नहीं मिला।

## 1 शमूएल 10:22

**जब शाऊल को अगला राजा चुना गया, तो उसे क्यों नहीं ढूंढा जा सका?**

शाऊल सामान के बीच में छिपा हुआ था।



## 1 शमूएल 10:24

**शमूएल को उस पुरुष के बारे में कैसा महसूस हुआ जिसे यहोवा ने चुना था?**

शमूएल ने कहा कि सारे लोगों में कोई उसके बराबर नहीं।

## 1 शमूएल 10:25

**राजनीति के रीति-रिवाज और नियम कैसे स्थापित और बनाए गए?**

शमूएल ने लोगों को राजनीति के रीति-रिवाज और नियमों के बारे में बताया, उन्हें एक पुस्तक में लिखा, और यहोवा के आगे रखा।

## 1 शमूएल 10:27

**कुछ लुच्चे लोगों ने शाऊल के प्रति अपनी नापसंदगी कैसे प्रकट की?**

कुछ लुच्चे लोगों ने शाऊल को तुच्छ जाना क्योंकि वे उसके पास भेंट न लाए और सवाल किया कि यह जन हमारा क्या उद्धार करेगा।

## 1 शमूएल 11:1–2

**याबेश के लोगों की वाचा की विनती पर अम्मोनी नाहाश की प्रतिक्रिया क्या थी?**

उसने कहा कि वह उनके साथ एक वाचा बंधेगा कि वह उन सभी की दाहिनी आँखें फोड़कर इसे सारे इस्राएल की नामधराई का कारण कर दे।

## 1 शमूएल 11:3

**याबेश के वृद्ध लोगों ने नाहाश के प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया दी?**

उन्होंने सात दिनों के लिए उन्हें अवसर दे ताकि यह देखा जा सके कि क्या इस्राएल के पूरे क्षेत्र में कोई उन्हें बचाने वाला है।

## 1 शमूएल 11:4–5

**शाऊल ने गिबा नगर के लोगों की क्या समस्या है, यह जानने का आश्चर्य क्यों व्यक्त किया?**

शाऊल ने उन्हें रोते हुए सुना जब उन्होंने सुना कि याबेश नगर के साथ क्या हो सकता है।

## 1 शमूएल 11:6–8

**याबेश के खिलाफ खतरे पर शाऊल ने कैसे प्रतिक्रिया दी?**

उसका कोप बहुत भड़क उठा और इस्राएल के सभी पुरुषों को उनके पीछे चलने और याबेश के दुश्मनों के खिलाफ लड़ने के लिए इकट्ठा किया।

## 1 शमूएल 11:9

**दूतों ने याबेश के लोगों से क्या कहा?**

उन्होंने याबेश के लोगों से कहा कि कल धूप तेज होने की घड़ी तक तुम छुटकारा पाओगे।

## 1 शमूएल 11:10

**याबेश के लोगों ने नाहाश से क्या कहा?**

उन्होंने नाहाश से कहा कि कल हम तुम्हारे पास निकल आएँगे, और जो कुछ तुम को अच्छा लगे वही हम से करना।

## 1 शमूएल 11:11

**इस्राएल के लोगों और नाहाश अम्मोनी के बीच युद्ध का क्या परिणाम हुआ?**

इस्राएल के लोगों ने अमोनियों पर आक्रमण किया और उन्हें पराजित कर दिया, और जो बच निकले वे तितर-बितर हो गए।

## 1 शमूएल 11:12–13

**शाऊल ने यह क्यों कहा कि उसके विरोधियों में से किसी को भी मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा?**

शाऊल ने कहा कि आज के दिन कोई मार डाला न जाएगा; क्योंकि आज यहोवा ने इस्राएलियों को छुटकारा दिया है।

## 1 शमूएल 11:14–15

**शमूएल, शाऊल और इस्राएल के सभी लोग गिलगाल क्यों गए?**



वे गिलगाल गए ताकि मेलबलि चढ़ाए और यहोवा के सामने शाऊल को राजा बनाकर राजतंत्र को पुनः स्थापित करें।

## 1 शमूएल 12:4–5

**क्या शमूएल ने कभी इस्राएल के लोगों के विरुद्ध कोई बुरा कार्य किया था?**

इस्राएल के लोगों ने शमूएल से कहा कि उसने उनके साथ न ही अंधेर किया, न ही उन्हें पिसा और न किसी के हाथ से कुछ लिया है।

## 1 शमूएल 12:6–7

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों से यहोवा के सामने खड़े होने के लिए क्यों कहा?**

उसने इस्राएल के लोगों से कहा कि वे खड़े हों ताकि वह उन्हें यहोवा के सामने उनके सब धार्मिकता के कामों के विषय में, जिन्हें उन्होंने उनके साथ और उनके पूर्वजों के साथ किया है याद दिला सके।

## 1 शमूएल 12:8–9

**जब मूसा और हारून ने इस्राएल के लोगों को मिस्र से बाहर निकाला और उनके पूर्वजों ने यहोवा अपने परमेश्वर को भुला दिया, तो परमेश्वर ने उनके साथ क्या किया?**

यहोवा ने उन्हें सीसरा, पलिश्तियों और मोआब के राजा के हाथों में सौंप दिया।

## 1 शमूएल 12:10–11

**जब इस्राएल के पूर्वजों ने यहोवा को पुकारा और अपने शत्रुओं के हाथ से छुड़ाने के लिए प्रार्थना की, तो यहोवा ने उनकी सहायता कैसे की?**

यहोवा ने यरूब्बाल, बदान, यिप्तह, और शमूएल को उनके शत्रुओं से बचाने के लिए भेजा।

## 1 शमूएल 12:12–13

**शमूएल क्या चाहते थे कि इस्राएल के लोग कौन सी बात याद रखें?**

शमूएल ने इस्राएल के लोगों को याद दिलाया कि उन्होंने अपने ऊपर राज्य करने के लिए एक राजा की इच्छा प्रकट की थी।

## 1 शमूएल 12:14–15

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों के सामने कौन-सा चुनाव रखा?**

वे यहोवा की आज्ञा मानकर उसके अनुयायी बन सकते थे, या वे यहोवा की आज्ञाओं के विरुद्ध बलवा कर सकते थे और उसके हाथ का सामना कर सकते थे।

## 1 शमूएल 12:16

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों के सामने कौन-सी चुनौती रखी?**

शमूएल ने लोगों को यहोवा के सामने खड़े होने की चुनौती दी और कहा कि वे अपनी आँखों के सामने होने वाले महान कार्य को देखें।

## 1 शमूएल 12:17–18

**शमूएल ने यहोवा से क्या भेजने की प्रार्थना की ताकि इस्राएल के लोग अपनी दुष्टता की गंभीरता जान सकें?**

उन्होंने यहोवा से गर्जन और वर्षा भेजने की प्रार्थना की।

## 1 शमूएल 12:19–20

**जब इस्राएल के लोगों ने अपने पाप की गंभीरता को समझा, तो शमूएल ने कैसी प्रतिक्रिया दी?**

शमूएल ने लोगों से कहा कि वे न डरें, बल्कि सम्पूर्ण मन से उसकी उपासना करना।

## 1 शमूएल 12:22

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को सांत्वना का कौन सा सन्देश दिया?**

शमूएल ने इस्राएल के लोगों को यह कहकर सांत्वना दी कि यहोवा अपनी प्रजा को न तजेंगे।

## 1 शमूएल 12:23

**शमूएल ने इस्राएल के लिए क्या करने का निर्णय लिया?**



उन्होंने लोगों को अच्छा और सीधा मार्ग सिखाने का निर्णय लिया, और उनके लिए प्रार्थना करना कभी नहीं छोड़ा।

## 1 शमूएल 12:24

**शमूएल ने इस्राएल के लोगों को कौन सी चुनौती दी थी?**

शमूएल ने उनसे यहोवा द्वारा किए गए बड़े-बड़े काम पर विचार करने के लिए कहा ताकि वे उनका भय मानें और सच्चाई से अपने सम्पूर्ण मन के साथ उनकी उपासना करें।

## 1 शमूएल 13:2

**शाऊल ने उन सैनिकों के साथ क्या किया जिन्हें उसने अपने साथ रहने के लिए नहीं चुना?**

शाऊल ने सैनिकों को अपने-अपने डेरे में जाने को विदा किया।

## 1 शमूएल 13:3–4

**इस्राएल पलिश्तियों के लिए घृणित क्यों बन गया?**

वे घृणित बन गए क्योंकि शाऊल ने पलिश्तियों की चौकी को मारा था।

## 1 शमूएल 13:5

**इस्राएलियों से हारने पर पलिश्तियों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?**

उन्होंने इस्राएल के विरुद्ध युद्ध करने के लिए रेतकणों के समान बहुत से रथों और पुरुषों को इकट्ठा किया।

## 1 शमूएल 13:6–7

**पलिश्तियों की सेनाओं को देखकर इस्राएल के लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?**

वे संकट में पड़े थे, इसलिए वे गुफाओं, झाड़ियों, चट्टानों, गढ़ियों और गड्ढों में छिप गए, और कुछ यरदन के पार भाग गए।

## 1 शमूएल 13:8–10

**जब शमूएल सात दिनों में गिलगाल नहीं आए, तब शाऊल ने क्या किया?**

शाऊल ने स्वयं होमबलि और मेलबलि चढ़ाया।

## 1 शमूएल 13:11–12

**शाऊल के लिए प्रतीक्षा न करने और बलिदान चढ़ाने के लिए शाऊल ने कौन-सा बहाना दिया??**

उसने कहा कि उसने लोगों को जाते हुए देखा, इसलिए उसने स्वयं को यहोवा को होमबलि चढ़ाने के लिए विवश पाया।

## 1 शमूएल 13:13

**शमूएल ने शाऊल को फटकारते हुए क्या कहा?**

शमूएल ने कहा कि शाऊल ने मूर्खता से काम किया क्योंकि उसने यहोवा द्वारा दिए गए आज्ञा को नहीं माना।

## 1 शमूएल 13:13–14

**शमूएल ने शाऊल के कार्यों के क्या परिणाम बताए?**

क्योंकि शाऊल यहोवा की आज्ञा नहीं माना, उसका इस्राएल पर राज्य सदा बना न रहेगा, बल्कि यहोवा ने अपने लिये एक ऐसे पुरुष को ढूँढ़ लिया है जो उसके मन के अनुसार है।

## 1 शमूएल 13:17

**पलिश्तियों ने इस्राएल के लोगों के खिलाफ कौन सी रणनीति अपनाई थी?**

पलिश्ती अपने छावनी से इस्राएल पर आक्रमण करनेवाले तीन दल बाँधकर निकले।

## 1 शमूएल 13:19

**पलिश्तियों के खिलाफ लड़ाई में इस्राएल के सैनिक किन सीमाओं का सामना कर रहे थे?**

पलिश्तियों ने इस्राएलियों को कोई लोहार नहीं रखने दिया ताकि वे तलवारें या भाले न बना सकें।

## 1 शमूएल 13:22

**पलिश्तियों के खिलाफ लड़ाई में इस्राएल के सैनिकों को कैसे रोका गया?**

इस्राएल के सैनिकों के पास कोई तलवार या भाला नहीं था।



## 1 शमूएल 14:1

**शाऊल के पुत्र योनातान ने अपने पिता से कौन-सी बात छुपाई?**

योनातान और उसका हथियार ढोनेवाला चौकी के दूसरी ओर पलिश्तियों की सेना की ओर जा रहे थे।

## 1 शमूएल 14:2–3

**शाऊल के साथ जो छह सौ पुरुष थे, उन्हें क्या पता नहीं था?**

उन्हें यह नहीं पता था कि योनातान पलिश्तियों की चौकी में चला गया था।

## 1 शमूएल 14:6

**योनातान ने अपने हथियार ढोनेवाले जवान को क्या कहा?**

योनातान ने उससे कहा कि यदि वे पलिश्तियों की सेना की चौकी के पास चले जाएँ तो यहोवा उनकी ओर से बहुत से लोगों को बचाने का काम करेगा।

## 1 शमूएल 14:7

**हथियार ढोनेवाले ने प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया दी?**

योनातान का हथियार ढोनेवाला उसकी सारी आज्ञाएँ मानने को तैयार था, इसलिए उसने उसे वह सब करने के लिए प्रोत्साहित किया जो उसके मन में था।

## 1 शमूएल 14:8–10

**योनातान और उसके हथियार ढोनेवाले के लिए इसका क्या चिन्ह होगा कि यहोवा ने पलिश्तियों को उनके हाथ में कर दिया है?**

यदि पलिश्ती कहते कि हमारे पास चढ़ आओ, तो यह इस बात का संकेत होगा कि यहोवा ने उन्हें उनके हाथ में दे दिया है।

## 1 शमूएल 14:11–12

**जब पलिश्तियों की सेना के लोगों ने उनसे कहा, "हमारे पास चढ़ आओ, तब हम तुम को कुछ सिखाएँगे," तो योनातान ने अपने हथियार ढोनेवाले से क्या कहा?**

उसने अपने हथियार ढोनेवाले वाले से कहा कि वह उनका पीछा करे क्योंकि यहोवा ने उन्हें इस्राएल के हाथ में कर दिया है।

## 1 शमूएल 14:13–14

**योनातान और उसके हथियार ढोनेवाले ने पलिश्तियों की सेना पर जो हमला किया उसका क्या परिणाम हुआ?**

योनातान और उनके हथियार ढोनेवाले ने लगभग बीस लोगों को मार डाला।

## 1 शमूएल 14:16–17

**जब शाऊल के पहरुओं ने बिन्यामीन के गिबा में पलिश्ती सैनिकों की भीड़ को इधर-उधर भागते और तितर-बितर होते देखा, तो उसने क्या किया?**

शाऊल ने लोगों की गिनती करवाई ताकि पता चल सके कि उनके पास से कौन चला गया है, और उन्होंने पाया कि वह योनातान और उसका हथियार ढोनेवाला नहीं थे।

## 1 शमूएल 14:18–19

**शाऊल ने याजक अहिय्याह को परमेश्वर का सन्दूक उसके पास लाने का आदेश क्यों दिया?**

शाऊल ने अहिय्याह याजक को परमेश्वर का सन्दूक लाने का आदेश दिया ताकि वह परमेश्वर की इच्छा जान सके।

## 1 शमूएल 14:21

**कौन उन इस्राएलियों के साथ जुड़ा जो शाऊल और योनातान के साथ थे?**

वे इब्री, जो पहले पलिश्तियों के साथ थे और उनके साथ छावनी में गए थे, वे इस्राएलियों के साथ मिलकर शाऊल और योनातान के साथ शामिल हो गए।

## 1 शमूएल 14:23

**उस दिन इस्राएल को किसने छुटकारा दिया?**



उस दिन यहोवा ने इस्राएल को छुटकारा दिया।

## 1 शमूएल 14:24

**इस्राएल के भूखे लोगों की परेशानी का कारण क्या था?**

शाऊल ने लोगों को शपथ दिलाई थी कि श्रापित हो वह, जो साँझ से पहले कुछ खाए।

## 1 शमूएल 14:27

**योनातान ने अनजाने में शपथ का उल्लंघन कैसे किया?**

योनातान ने जंगल से मधु खाया।

## 1 शमूएल 14:29–30

**योनातान ने अपने पिता की शपथ की किस प्रकार आलोचना की?**

योनातान ने कहा कि यदि लोग मधु और अपने शत्रुओं की लूट से मनमाना खाते, तो पलिश्तियों में और भी अधिक लोग मरे जाते।

## 1 शमूएल 14:33–34

**पलिश्तियों के विरुद्ध युद्ध के बाद इस्राएल के लोगों ने यहोवा के विरुद्ध कैसे पाप किया?**

इस्राएल के लोगों ने लूट में मारे गए पशुओं का माँस लहू समेत खाया।

## 1 शमूएल 14:37

**शाऊल पलिश्तियों का पीछा करने के लिए उत्सुक था, फिर भी उसने ऐसा क्यों नहीं किया?**

उसे उस दिन परमेश्वर से कोई उत्तर नहीं मिला।

## 1 शमूएल 14:38–39

**शाऊल ने क्या कहा कि वह इस्राएल में इस पाप का सामना कैसे करेगा?**

उसने कहा कि जिस मनुष्य ने यह पाप किया है, वह अवश्य मरेगा, चाहे वह उसका पुत्र योनातान ही क्यों न हो।

## 1 शमूएल 14:42

**यह कैसे पता चला कि योनातान ही वह मनुष्य था जिसने पाप किया था?**

यह चिट्ठी के द्वारा पता चला।

## 1 शमूएल 14:45

**योनातान को मृत्यु से कैसे बचाया गया?**

इस्राएल के लोगों ने योनातान को मरने नहीं दिया क्योंकि उसने एक बड़ी जीत हासिल की थी।

## 1 शमूएल 14:47-48

**शाऊल ने इस्राएल के लोगों का नेतृत्व उनके राजा के रूप में कैसे किया?**

शाऊल ने बड़ी वीरता से कार्य किया और इस्राएल को उन लोगों के हाथों से बचाया जिन्होंने उन्हें लूटा था।

## 1 शमूएल 15:2-3

**यहोवा ने शाऊल से क्यों कहा कि वह अमालेकियों पर हमला करे और उसे पूरी तरह सत्यानाश कर दे?**

अमालेकियों ने इस्राएल का विरोध किया जब वे मिस्र से आए थे।

## 1 शमूएल 15:6-7

**शाऊल ने केनियों से अमालेकियों के मध्य में से निकल जाने को क्यों कहा?**

केनियों ने इस्राएल के लोगों के प्रति दयालुता दिखाई जब वे मिस्र से आए थे।

## 1 शमूएल 15:8-9

**शाऊल ने यहोवा के दिए निर्देशों का उल्लंघन कैसे किया?**

शाऊल ने राजा अगाग और अमालेकियों के अच्छे से अच्छे पशुओं पर कोमलता की और उन्हें नष्ट करना न चाहा।



## 1 शमूएल 15:10-11

**यहोवा शाऊल को राजा बनाकर क्यों दुःखी हुए?**

शाऊल ने यहोवा की आज्ञाओं का पालन नहीं किया।

## 1 शमूएल 15:12-13

**वह झूठ क्या था जो शाऊल ने शमूएल से कहा था?**

उसने कहा कि उसने यहोवा की आज्ञा पूरी कर दी है।

## 1 शमूएल 15:14

**शमूएल ने शाऊल द्वारा बताए गए झूठ पर कैसे प्रतिक्रिया दी?**

शमूएल ने उन भेड़ों का मिमियाना और बैलों के रम्भाने के बारे में पूछा जो वे सुन रहे थे।

## 1 शमूएल 15:15

**शाऊल ने अपनी अवज्ञा का कारण बताने के लिए शमूएल को क्या बहाना दिया?**

उसने कहा कि लोगों ने अच्छी से अच्छी भेड़-बकरियों और गाय-बैलों को इसलिए बचा लिए ताकि वह उन्हें यहोवा के लिए बलिदान कर सके।

## 1 शमूएल 15:17-19

**शमूएल ने शाऊल को फटकारते हुए क्या कहा?**

उसने शाऊल से कहा कि यहोवा ने इस्राएल पर राज्य करने को उसका अभिषेक किया और उसे अमालेकियों को पूरी तरह नष्ट करने के लिए कहा था, परन्तु इसके बजाय उसने लूट ले ली और वह काम किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

## 1 शमूएल 15:20-21

**शाऊल ने शमूएल को क्या बहाना दिया था?**

शाऊल ने जोर देकर कहा कि यह प्रजा के लोग थे जिन्होंने यहोवा को बलिदान देने के लिए सबसे अच्छी लूट बचा ली।

## 1 शमूएल 15:22-23

**शमूएल की शाऊल के प्रति क्या प्रतिक्रिया थी?**

यहोवा की आज्ञा मानना बलिदान से उत्तम है, और विद्रोह और हठ यहोवा के लिये पाप हैं।

## 1 शमूएल 15:24

**शाऊल ने शमूएल से क्या कहा कि उसने पाप क्यों किया**

शाऊल ने कहा कि प्रजा के लोगों का भय मानकर उन्होंने यहोवा की आज्ञा उल्लंघन किया।

## 1 शमूएल 15:26

**शमूएल ने यहोवा की ओर से शाऊल को क्या सन्देश दिया?**

यहोवा ने शाऊल को इस्राएल का राजा बनने से तुच्छ जाना है।

## 1 शमूएल 15:28

**यहोवा इस्राएल का राज्य किसे देने वाले थे?**

शमूएल ने शाऊल से कहा कि यहोवा इस्राएल का राज्य शाऊल के पड़ोसियों में से एक को देने जा रहे थे, जो शाऊल से अच्छा था।

## 1 शमूएल 15:32-33

**शमूएल ने वह कार्य पूरा करने के लिए क्या किया जो शाऊल ने नहीं किया?**

शमूएल ने यहोवा के सामने अगाग को मारने के लिए अपनी तलवार निकली।

## 1 शमूएल 16:1

**यहोवा ने शमूएल को क्या बताया कि उन्होंने शाऊल को क्यों तुच्छ जाना है?**

यहोवा ने शाऊल को इस्राएल का राजा बनने के लिए तुच्छ जाना था।

## 1 शमूएल 16:2

**यदि शाऊल को पता चल जाए कि वह बैतलहम गया है, तो शमूएल को किस बात का डर था?**



उन्हें डर था कि शाऊल उन्हें घात करेगा।

## 1 शमूएल 16:3

**यहोवा ने क्या कहा कि शमूएल यह कैसे जान पाएँगे कि किसे अभिषेक करना है?**

उन्होंने शमूएल से कहा कि वह उसी का अभिषेक करे जिसे यहोवा उन्हें बताएँगे।

## 1 शमूएल 16:4

**जब शमूएल उनके नगर पहुंचे, तो बैतलहम के पुरनियों ने किस प्रकार से व्यवहार किया?**

जब वे उनसे मिलने आए तब वे थरथराते हुए उससे मिलने को गए।

## 1 शमूएल 16:6

**जब शमूएल ने एलीआब को देखा, तो उन्होंने उस पर दृष्टि करके क्या सोचा?**

उन्होंने अपने आप से कहा कि निश्चय यह जो यहोवा के सामने है वही उसका अभिषिक्त होगा।

## 1 शमूएल 16:7

**यहोवा ने शमूएल को कैसे समझाया कि वह वैसे नहीं देखते जैसे मनुष्य देखता है?**

यहोवा ने कहा कि मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है, परन्तु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है।

## 1 शमूएल 16:10

**शमूएल ने यिशै से क्या कहा जब उसने अपने सात पुत्रों को उनके सामने भेजा?**

शमूएल ने कहा कि यहोवा ने उनमें से किसी को भी नहीं चुना है।

## 1 शमूएल 16:11

**जब शमूएल ने सबसे छोटे पुत्र को बुलाया, तब वह कहाँ था?**

सबसे छोटा पुत्र भेड़-बकरियों को चरा रहा था।

## 1 शमूएल 16:13

**यहोवा का आत्मा दाऊद पर कब उतरा?**

उस दिन से यहोवा का आत्मा दाऊद पर बल से उतरता रहा।

## 1 शमूएल 16:14

**यहोवा की आत्मा के स्थान पर कौन-सी आत्मा ने शाऊल को घबराने लगा?**

यहोवा की ओर से एक दुष्ट आत्मा उसे घबराने लगा।

## 1 शमूएल 16:16

**शाऊल के सेवकों ने क्या कहा कि जब दुष्ट आत्मा शाऊल को घबराती, तो एक अच्छा वीणा बजानेवाला क्या कर सकता है?**

वीणा बजाने वाला उसे बजाता और शाऊल अच्छा हो जाता।

## 1 शमूएल 16:19

**शाऊल ने कैसे बताया कि यिशै के पुत्रो में से वह किसे अपने पास चाहता है?**

शाऊल ने यिशै के पास दूत भेजे, यह कहने के लिए कि वे यिशै के पुत्र दाऊद को भेजें, जो भेड़-बकरियों के साथ रहता है।

## 1 शमूएल 16:21

**शाऊल दाऊद से बहुत प्रीति रखता था, इसलिए उसने उसे क्या काम सौंपा?**

शाऊल ने दाऊद को अपना हथियार ढोनेवाला नियुक्त किया।

## 1 शमूएल 16:23

**जब दाऊद वीणा लेकर बजाता, तो शाऊल में से क्या हट जाता था जिससे वह चैन पाकर अच्छा हो जाता था?**

दुष्ट आत्मा उसमें से हट जाता था।



## 1 शमूएल 17:2

**शाऊल और इस्राएल के लोग एला की तराई में क्यों डेरा डाले हुए थे?**

उन्होंने युद्ध के लिये पलिश्तियों के विरुद्ध पाँति बाँधी औए एला नामक तराई में डेरा डाला।

## 1 शमूएल 17:5

**गोलियत के सिर पर क्या था?**

उसके सिर पर पीतल का टोप था।

## 1 शमूएल 17:6

**गोलियत अपने कंधों के बीच क्या लेकर चलता था?**

उसके कंधों के बीच बरछी बंधी थी।

## 1 शमूएल 17:8

**गोलियत ने क्या कहा कि इस्राएल की सेना किसके अधीन थी?**

गोलियत ने कहा कि वे शाऊल के अधीन थे।

## 1 शमूएल 17:9

**गोलियत ने क्या कहा कि यदि इस्राएल का कोई पुरुष उसे मार डाले तो इस्राएलियों का क्या होगा?**

उसने कहा कि पलिश्ती उनके सेवक होंगे।

## 1 शमूएल 17:11

**जब शाऊल और सारे इस्राएल ने उस पलिश्ती की बातें सुनीं, तो उन्हें कैसा लगा?**

उनका मन कच्चा हो गया, और वे अत्यन्त डर गए।

## 1 शमूएल 17:13

**यिशै के कौन से पुत्र शाऊल के साथ युद्ध में गए थे?**

यिशै के तीन सबसे बड़े पुत्र शाऊल के साथ युद्ध में गए थे।

## 1 शमूएल 17:16

**कितने समय तक और कितनी बार उस पलिश्ती वीर ने पास आकर अपने आप को युद्ध के लिए खड़ा किया?**

चालीस दिन तक सवेरे और साँझ को निकट जाकर खड़ा हुआ करता था।

## 1 शमूएल 17:20

**जब दाऊद छावनी में पहुंचे, तो सेना क्या कर रही थी?**

सेना रणभूमि में ललकार करते हुए आगे बढ़ रही थी।

## 1 शमूएल 17:23

**जब दाऊद अपने भाइयों से बात कर रहा था, तब पलिश्तियों की पाँतियों में से कौन बाहर आया?**

वीर, अर्थात् गतवासी गोलियत पलिश्तियों की पाँतियों से बाहर निकला।

## 1 शमूएल 17:25

**जो पुरुष गोलियत को मारेगा, उसके पिता के घराने के लिए राजा क्या करेगा?**

जो कोई उसे मार डालेगा उसको राजा बहुत धन देगा और उसके पिता के घराने को इस्राएल में स्वतंत्र कर देगा।

## 1 शमूएल 17:26

**दाऊद ने कहा कि जो पुरुष उस पलिश्ती को मारेगा, वह इस्राएल से क्या दूर करेगा?**

जो पुरुष उस पलिश्ती को मारेगा, वह इस्राएल से नामधराई दूर करेगा।

## 1 शमूएल 17:28

**एलीआब ने दाऊद के मन में क्या बुराई बताई?**

उसने कहा कि उसे दाऊद के अभिमान के बारे में पता है, और वह तो लड़ाई देखने के लिये यहाँ आया है।

## 1 शमूएल 17:32

**दाऊद ने शाऊल से क्या कहा कि वह किसी मनुष्य का मन उसके कारण कच्चा न होने देगा?**

दाऊद ने शाऊल से कहा कि वे जाकर पलिश्ती से लड़ेंगे।

## 1 शमूएल 17:35

**दाऊद ने उस सिंह या भालू के साथ क्या किया जो उसके विरुद्ध उठा?**

उसने उसका मुँह पकड़ा, उस पर वार किया और उसे मार डाला।

## 1 शमूएल 17:36

**दाऊद ने यह क्यों कहा कि यह खतनारहित पलिश्ती उस सिंह या भालू के समान होगा जिसे उसने पहले मारा था?**

पलिश्ती ने जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारा था।

## 1 शमूएल 17:39

**दाऊद राजा द्वारा दिया गया कवच पहनकर क्यों नहीं चल सका?**

उन्होंने इसके साथ प्रशिक्षण नहीं लिया था।

## 1 शमूएल 17:42

**जब पलिश्ती ने दाऊद को देखा, तो उसने उन्हें तुच्छ क्यों जाना?**

दाऊद केवल एक लड़का था, और उसके मुख पर लाली झलकती थी, और वह सुन्दर था।

## 1 शमूएल 17:45

**जब पलिश्ती तलवार, भाला और सांग लेकर आया तो दाऊद ने क्या कहा कि वह कैसे आया है?**

दाऊद ने कहा कि वह सेनाओं के यहोवा के नाम में आया है, इस्राएल की सेनाओं के परमेश्वर के नाम में, जिन्हें पलिश्ती ने ललकारा था।

## 1 शमूएल 17:46

**दाऊद ने क्या कहा कि पृथ्वी को क्या पता चल जाएगा क्योंकि पलिश्तियों के शव पक्षियों और जंगली जानवरों को दे दिए जाएंगे?**

समस्त पृथ्वी के लोग जान लेंगे कि इस्राएल में एक परमेश्वर है।

## 1 शमूएल 17:48

**जब गोलियत उसके पास युद्ध करने के लिए आया, तो दाऊद ने क्या किया?**

दाऊद शत्रु की ओर फुर्ती से दौड़ा।

## 1 शमूएल 17:51

**जब पलिश्ती लोगों ने देखा कि उनका शक्तिशाली योद्धा मर चुका है, तो उन्होंने क्या किया?**

पलिश्ती भाग गए।

## 1 शमूएल 17:53

**जब इस्राएल के लोग पलिश्तियों का पीछा करके लौटे, तो उन्होंने क्या किया?**

इस्राएल के लोगों ने पलिश्तियों के डेरों को लूट लिया।

## 1 शमूएल 17:57

**जब अब्नेर ने दाऊद को शाऊल के सामने प्रस्तुत किया, तो दाऊद के हाथ में क्या था?**

दाऊद के हाथ में पलिश्ती का सिर था।

## 1 शमूएल 18:1

**योनातान का प्राण दाऊद से कितना जुड़ा हुआ था।**

योनातान ने दाऊद को अपने प्राण के समान प्रेम किया।

## 1 शमूएल 18:4

**योनातान ने अपने कवच के साथ क्या उतारकर दाऊद को दिया?**

योनातान ने जो बागा पहना हुआ था, उसे उतारकर दाऊद को दे दिया।

## 1 शमूएल 18:5

**शाऊल ने दाऊद को किस पर नियुक्त किया?**

शाऊल ने उन्हें योद्धाओं का प्रधान नियुक्त किया।

## 1 शमूएल 18:8

**गायकों ने अपने गीत में दाऊद के लिए क्या कहा था, जो बात शाऊल को बुरी लगी?**

उन्होंने दाऊद के लिये तो लाखों और शाऊल के लिये हजारों ही ठहराया।

## 1 शमूएल 18:11

**शाऊल ने क्या सोचा जब उसने दाऊद पर भाला फेंका?**

शाऊल ने सोचा कि भाला दाऊद को बेधकर दीवार में धँस जाए।

## 1 शमूएल 18:14

**दाऊद अपने सभी कार्यों में क्यों सफल हुए?**

दाऊद समस्त चाल में बुद्धिमानी दिखाता था; और यहोवा उसके साथ-साथ था।

## 1 शमूएल 18:17

**शाऊल ने क्यों सोचा कि उसका हाथ दाऊद के ऊपर न पड़े?**

शाऊल ने सोचा कि पलिश्तियों ही का हाथ दाऊद पर पड़े।

## 1 शमूएल 18:20

**शाऊल ने क्या सोचा था कि यदि वह अपनी बेटी मीकल को दाऊद को दे दे तो वह दाऊद के लिए क्या होगी?**

शाऊल ने सोचा कि वह दाऊद के लिए एक फंदा होगी।

## 1 शमूएल 18:22

**शाऊल ने अपने कर्मचारियों को दाऊद से राजा का दामाद बनने के बारे में बात करने का आज्ञा कहाँ दिया?**

उन्होंने अपने कर्मचारियों को दाऊद से छिपकर ऐसी बात करने की आज्ञा दी।

## 1 शमूएल 18:23

**दाऊद को क्यों लगा कि वह राजा का दामाद बनने के योग्य नहीं था?**

वह एक निर्धन और तुच्छ मनुष्य था।

## 1 शमूएल 18:25

**राजा ने दाऊद से कौन-सा एकमात्र दहेज मांगा था?**

राजा केवल पलिश्तियों की सौ खलड़ियाँ चाहता था।

## 1 शमूएल 18:27

**दाऊद और उनके लोगों ने राजा की दहेज की विनती से अधिक क्या किया?**

दाऊद ने दो सौ पलिश्तियों को मारा और दाऊद उनकी खलड़ियों को ले आया।

## 1 शमूएल 18:30

**दाऊद की सफलता कितनी बड़ी थी कि उनका नाम बहुत बड़ा हो गया।**

दाऊद शाऊल के सभी सेवकों से अधिक सफल हुए।

## 1 शमूएल 19:2

**योनातान ने दाऊद से सावधान रहने और छिपने के लिए क्यों कहा?**

शाऊल दाऊद को मारने का प्रयास कर मरवा डालना चाहता था।

## 1 शमूएल 19:4

**योनातान ने शाऊल से क्या कहा कि दाऊद के काम से उन्हें क्या हुआ है?**

योनातान ने शाऊल को बताया कि दाऊद के सब काम उसके बहुत हित के हैं।

## 1 शमूएल 19:6

**योनातान को सुनने के बाद शाऊल ने क्या शपथ खाई?**

शाऊल ने शपथ ली कि दाऊद मार डाला न जाएगा।

## 1 शमूएल 19:8

**जब दाऊद फिर से बाहर गए और पलिश्तियों से लड़े, तो क्या हुआ?**

दाऊद ने पलिश्तियों को एक बड़ी मार से मारा।

## 1 शमूएल 19:11

**शाऊल ने दाऊद के घर पर नजर रखने के लिए दूत क्यों भेजे थे?**

शाऊल सुबह उन्हें मारना चाहता था।

## 1 शमूएल 19:12

**मीकाल ने दाऊद को भागने और बचने में कैसे सहायता की?**

मीकाल ने दाऊद को खिड़की से नीचे उतारा।

## 1 शमूएल 19:15

**जब शाऊल ने दाऊद को चारपाई समेत लाने का आदेश दिया, तो वह क्या करने की योजना बना रहा था?**

शाऊल ने उन्हें मारने की योजना बनाई।

## 1 शमूएल 19:16

**मीकल ने घर के बिस्तर पर रखी गृहदेवता के सिरहाने पर क्या रखा था जिससे वह दाऊद जैसी दिखाई दे?**

उन्होंने गृहदेवता के सिर पर बकरियों के बालों का तकिया रखा।

## 1 शमूएल 19:18

**जब दाऊद भागकर बच निकले, तो वह रामाह में किससे मिलने गए?**

दाऊद शमूएल के पास गए।

## 1 शमूएल 19:20

**शाऊल के दूतों के साथ क्या हुआ जिसने उन्हें नबूवत करने के लिए प्रेरित किया?**

उन पर परमेश्वर की आत्मा उतरी।

## 1 शमूएल 19:21–22

**तीसरी बार दूत भेजने के बाद शाऊल ने क्या किया?**

शाऊल भी रामाह गया।

## 1 शमूएल 19:24

**शाऊल कितने समय तक शमूएल के सामने नंगा पड़ा रहा?**

वह पूरे दिन और पूरी रात नंगा पड़ा रहा।

## 1 शमूएल 20:2

**योनातान ने क्या कहा कि उसके पिता ने उसके बताए बिना क्या नहीं किया?**

उसने कहा कि उसके पिता ने कोई भी बड़ा या छोटा काम उसको बताए बिना नहीं किया।

## 1 शमूएल 20:3

**दाऊद ने क्या कहा कि वह मृत्यु के कितने निकट था?**

उन्होंने कहा कि उनके और मृत्यु के बीच केवल डग ही भर का अन्तर था।

## 1 शमूएल 20:5

**दाऊद ने तीसरे दिन की शाम तक क्या करने के लिए कहा था?**

दाऊद ने तीसरे दिन शाम तक मैदान में छिपने के लिए कहा।



## 1 शमूएल 20:6

**यदि शाऊल ने दाऊद को याद किया, तो दाऊद ने योनातान से शाऊल को कौन सा कारण बताने के लिए कहा?**

उन्होंने कहा कि शाऊल को बताएं कि वे बैतलहम अपने नगर गए हैं, क्योंकि वहां उनके पूरे परिवार के लिए वार्षिक यज्ञ होता है।

## 1 शमूएल 20:8

**दाऊद ने योनातान से अपने दास के रूप में उनके साथ कृपा से व्यवहार करने के लिए क्यों कहा?**

योनातान ने अपने सेवक दाऊद को यहोवा की वाचा में अपने साथ शामिल किया था।

## 1 शमूएल 20:11

**योनातान ने उनसे उनकी बातचीत जारी रखने के लिए कहाँ जाना चाहिए?**

उसने दाऊद से कहा कि वे उनके साथ मैदान में चलें।

## 1 शमूएल 20:13

**योनातान अपने पिता की प्रतिक्रिया दाऊद को क्यों बताना चाहते थे और उन्हें भेजना चाहते थे?**

योनातान ने वादा किया कि वह इसे दाऊद को बताएंगे ताकि दाऊद शांति से जा सकें।

## 1 शमूएल 20:17

**योनातान ने दाऊद से फिर से शपथ क्यों ली?**

उन्होंने फिर से दाऊद से शपथ की क्योंकि उनके प्रति उनका प्रेम था।

## 1 शमूएल 20:21

**योनातान कहते हैं कि वह तीरों को ढूँढ़ने के लिए किसे भेजेंगे?**

उन्होंने कहा कि वे तीर ढूँढ़ने के लिए एक लड़के को भेजेंगे।

## 1 शमूएल 20:24

**जब नया चाँद आया, तो राजा बैठकर क्या करने लगे?**

राजा भोजन करने के लिए बैठ गया।

## 1 शमूएल 20:26

**शाऊल ने क्या सोचा कि दाऊद के साथ ऐसा क्या हुआ होगा जिससे वह भोज में अनुपस्थित थे?**

शाऊल ने सोचा कि दाऊद शुद्ध नहीं थे।

## 1 शमूएल 20:29

**योनातान ने क्यों कहा कि दाऊद को अपने परिवार के बलिदान में सम्मिलित होना आवश्यक था?**

उन्होंने कहा कि दाऊद के भाई ने उन्हें वहां रहने का आदेश दिया था।

## 1 शमूएल 20:30

**शाऊल अपने भड़के हुए क्रोध में योनातान की मां का अपमानजनक वर्णन कैसे करते हैं?**

उन्होंने उसे एक कुटिला राजद्रोही के पुत्र कहा।

## 1 शमूएल 20:34

**योनातान दाऊद के लिए दुखी क्यों थे?**

वह दाऊद के कारण दुखी थे क्योंकि उनके पिता ने उनका अनादर किया था।

## 1 शमूएल 20:36

**जब लड़का दौड़ा, तब योनातान ने तीर कहाँ चलाया?**

योनातान ने लड़के के आगे एक तीर चलाया।

## 1 शमूएल 20:42

**जब दाऊद खड़े होकर चले गए, तब योनातान ने क्या किया?**



योनातान नगर लौट आए।

## 1 शमूएल 21:2

**दाऊद ने कहा कि राजा ने उनसे किस विषय में किसी को न बताने के लिए कहा?**

उन्होंने कहा कि राजा ने उन्हें बताया कि जिस कार्य के लिए उन्हें भेजा जा रहा था, उसके बारे में किसी को कुछ भी न बताएं, और जो आदेश उन्हें दिया गया था।

## 1 शमूएल 21:4

**याजक ने दाऊद को हाथ में रोटी के बारे में क्या कहा?**

याजक ने कहा कि उनके पास साधारण रोटी नहीं थी, बल्कि पवित्र रोटी थी।

## 1 शमूएल 21:6

**भेंट की रोटी को कहाँ से उठाई गई थी?**

यहोवा के सामने से भेंट की रोटी उठाई गई थी।

## 1 शमूएल 21:7

**एदोमी ने शाऊल के लिए क्या कार्य किया?**

दोएग एदोमी शाऊल के चरवाहों का मुखिया था।

## 1 शमूएल 21:8

**दाऊद ने क्यों कहा कि उनके पास कोई हथियार नहीं है?**

उन्होंने कहा कि वे कोई हथियार नहीं लाए थे क्योंकि राजा का काम महत्वपूर्ण था।

## 1 शमूएल 21:10

**दाऊद किससे बचकर भाग रहे थे जब वे आकीश के पास गए?**

वह उस दिन शाऊल से बचकर भाग रहे थे।

## 1 शमूएल 21:13

**जब दाऊद ने आकीश के सामने अपना व्यवहार बदला, तो उन्होंने क्या दिखावा किया?**

उन्होंने उनके हाथों में पागल होने का नाटक किया।

## 1 शमूएल 21:14

**जब आकीश ने देखा कि दाऊद पागल हैं, तो उन्होंने अपने कर्मचरियों से क्या कहा?**

उन्होंने उनसे कहा कि वे इस पागल मनुष्य को उनके पास क्यों लाए हैं।

## 1 शमूएल 22:2

**दाऊद के पिता के घराने के अलावा अदुल्लाम की गुफा में कौन उनके पास इकट्ठा हुए?**

जो भी संकट में थे, जो भी ऋणी थे, और जो भी उदास थे, वे सभी उनके पास इकट्ठा हो गए।

## 1 शमूएल 22:4

**दाऊद के माता-पिता मोआब के राजा के पास कितने समय तक रहे?**

वे पूरे समय राजा के साथ रहे जब दाऊद अपने गढ़ में थे।

## 1 शमूएल 22:6

**दाऊद के साथ किसे पाया गया था?**

जो लोग दाऊद के साथ थे, उन्हें भी ढूंढ़ लिया गया।

## 1 शमूएल 22:8

**शाऊल अपने कर्मचारी पर क्या आरोप लगाते हैं कि उन्होंने उसे क्यों नहीं बताया?**

शाऊल ने कहा कि उनके किसी कर्मचारी ने उन्हें यह नहीं बताया कि उनके बेटे ने उनके सेवक दाऊद को उनके खिलाफ उकसाया था।



## 1 शमूएल 22:10

**दोएग एदोमी शाऊल को कौन सी दो बातें बताता है जो अहीमेलेक ने दाऊद को दीं?**

अहीमेलेक ने दाऊद को भोजन और पलिश्ती गोलियत की तलवार दी।

## 1 शमूएल 22:13

**शाऊल ने पूछा कि अहीमेलेक ने यिशै के पुत्र को रोटी और तलवार देने के अलावा और क्या किया?**

शाऊल ने कहा कि अहीमेलेक ने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वे उनकी सहायता करें।

## 1 शमूएल 22:17

**राजा शाऊल के सेवक किस कार्य के लिए अपना हाथ बढ़ाने के लिए तैयार नहीं थे?**

वे यहोवा के याजकों को नहीं मारेंगे।

## 1 शमूएल 22:19

**दोएग ने नोब, जो कि याजकों का नगर था, में तलवार की धार से किन्हें मारा?**

उन्होंने पुरुषों, स्त्रियों, बच्चों, शिशुओं, बैलों, गधों और भेड़ों को मार डाला।

## 1 शमूएल 22:20

**एब्यातार जब हत्या से बचकर भागे तो वह कहाँ गए?**

एब्यातार दाऊद के पास भाग गए।

## 1 शमूएल 22:22

**दाऊद ने एब्यातार से पूछा कि वह किसके लिए उत्तरदायी थे?**

दाऊद ने कहा कि वह अपने पिता के परिवार में प्रत्येक मृत्यु के लिए उत्तरदायी थे।

## 1 शमूएल 23:1–2

**जब पलिश्तियों ने कीला के विरुद्ध युद्ध किया और खलिहानों को लूट लिया, तब दाऊद ने किससे सहायता मांगी?**

दाऊद ने यहोवा से सहायता के लिए प्रार्थना की।

## 1 शमूएल 23:3–4

**दाऊद ने पलिश्तियों के बारे में यहोवा से पुनः प्रार्थना क्यों की?**

दाऊद के `जनों ने उनसे कहा कि वे यहूदा में भयभीत हैं और पलिश्तियों पर हमला करने से भी डर रहे हैं।

## 1 शमूएल 23:5

**जब दाऊद और उनके लोग यहोवा के कहने पर पलिश्तियों से लड़े, तो परिणाम क्या हुआ?**

यहोवा ने उन्हें पलिश्तियों पर विजय दिलाई, इसलिए दाऊद ने कीला के निवासियों को बचाया।

## 1 शमूएल 23:7–8

**शाऊल ने क्यों सोचा कि वह दाऊद और उसके लोगों पर हमला कर सकता है?**

दाऊद और उनके लोग एक ऐसे नगर में बंद थे, जिसमें फाटक और बेंड़े थीं।

## 1 शमूएल 23:9

**जब दाऊद ने यह जान लिया कि शाऊल उनकी हानि कि युक्ति कर रहा है, तो दाऊद ने याजक एब्यातार से क्या कहा?**

दाऊद ने एब्यातार याजक से कहा, "एपोद को निकट ले आ।"

## 1 शमूएल 23:10–11

**दाऊद ने यहोवा से शाऊल और कीला के लोगों के विषय में क्या पूछा**

दाऊद यह जानना चाहते थे कि क्या शाऊल कीला आएगा और क्या कीला के लोग उसे शाऊल के हाथ में सौंप देंगे।



## 1 शमूएल 23:12

**यहोवा ने कीला के लोगों के बारे में दाऊद को क्या उत्तर दिया?**

यहोवा ने दाऊद से कहा कि कीला के लोग दाऊद को शाऊल के वश में कर देंगे।

## 1 शमूएल 23:13–14

**शाऊल ने कीला में दाऊद का पीछा करने का विचार छोड़ क्यों दिया और उन्हें कहीं और ढूँढ़ने लगा?**

शाऊल को बताया गया कि दाऊद कीला से निकल गए थे।

## 1 शमूएल 23:15

**जंगल में दाऊद की सहायता शाऊल के पुत्र योनातान ने कैसे की?**

वह दाऊद के पास गया और परमेश्वर की चर्चा करके उनको ढाढ़स दिलाया।

## 1 शमूएल 23:18

**योनातान के घर जाने से पहले, उसने और दाऊद ने होरेश में क्या किया?**

दोनों ने यहोवा की शपथ खाकर आपस में वाचा बाँधी।

## 1 शमूएल 23:25

**होरेश में दाऊद सुरक्षित क्यों नहीं थे और उन्होंने क्या किया?**

उन्हें लोगों द्वारा धोखा देकर शाऊल के हाथ में सौंप दिया जाने वाला था, इसलिए वे और उनके लोग एक अन्य जंगल में चले गए।

## 1 शमूएल 23:26–27

**जब शाऊल और उनके लोग दाऊद और उनके जनों को घेर रहे थे, तब क्या हुआ?**

एक दूत शाऊल के पास आया और उन्हें बताया कि पलिश्तियों ने देश पर चढ़ाई की है।

## 1 शमूएल 23:28

**इस समाचार पर शाऊल की प्रतिक्रिया क्या रही?**

शाऊल पलिश्तियों से युद्ध करने के लिए वापस चला गया।

## 1 शमूएल 24:1–2

**जब शाऊल ने सुना कि दाऊद एनगदी के जंगल में हैं, तो उसने क्या किया?**

वह तीन हजार चुने हुए लोगों को लेकर दाऊद और उनके लोगों को खोजने गया।

## 1 शमूएल 24:4

**गुफा में दाऊद ने शाऊल को मारने के बजाय क्या किया?**

दाऊद ने शाऊल के बागे की छोर को छिपकर काट लिया।

## 1 शमूएल 24:5–7

**दाऊद ने अपने लोगों को शाऊल पर आक्रमण करने की अनुमति क्यों नहीं दी, बल्कि उसे सुरक्षित रूप से गुफा से निकल जाने दिया?**

दाऊद का मन उसे दोषी ठहराता और उसे लगा कि यहोवा नहीं चाहता कि वह यहोवा के अभिषिक्त को हानि पहुँचाए।

## 1 शमूएल 24:8

**जब दाऊद गुफा से शाऊल के बाद बाहर आए, तो उन्होंने शाऊल को कैसे आदर दिखाया?**

दाऊद ने शाऊल को अपना प्रभु और राजा कहा, और फिर भूमि की ओर सिर झुकाकर दण्डवत् की।

## 1 शमूएल 24:10–11

**दाऊद ने शाऊल को कैसे दिखाया कि वह उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे?**

दाऊद ने उन्हें बागे की छोर दिखाई, जिसे उन्होंने बहुत करीब से काटा था।

## 1 शमूएल 24:16

**शाऊल की दाऊद के प्रति क्या प्रतिक्रिया थी?**

उन्होंने दाऊद को अपना पुत्र कहा, तब शाऊल चिल्लाकर रोने लगा।



## 1 शमूएल 24:17–18

**शाऊल ने क्यों कहा कि दाऊद उनसे अधिक धार्मिक थे?**

दाऊद ने शाऊल के साथ भलाई की, भले ही शाऊल ने दाऊद के साथ बुराई की थी।

## 1 शमूएल 24:20

**इस समय शाऊल को दाऊद के बारे में क्या ज्ञात हुआ?**

शाऊल जान गया कि दाऊद राजा बनेंगे और इस्राएल का राज्य दाऊद के साथ स्थापित होगा।

## 1 शमूएल 24:21–22

**शाऊल घर जाने से पहले, शाऊल के अनुरोध पर दाऊद ने उसके साथ कौनसी शपथ खाई?**

दाऊद ने शपथ खाई कि वह शाऊल के वंशजों का नाश नहीं करेंगे, और वह शाऊल के नाम को उनके पिता के घराने से नहीं मिटाएँगे।

## 1 शमूएल 25:3

**नाबाल किस प्रकार का पुरुष था?**

वह कठोर और बुरे-बुरे काम करनेवाला पुरुष था।

## 1 शमूएल 25:3 (#2)

**हबाल की पत्नी अबीगैल कैसी थी?**

वह बुद्धिमान और रूपवती थी।

## 1 शमूएल 25:4

**जब नाबाल अपनी भेड़ें कतर रहा था, तब दाऊद ने किसे भेजा उसका अभिवादन करे?**

दाऊद ने नाबाल का अभिवादन करने के लिए दस जवानों को भेजा।

## 1 शमूएल 25:7

**दाऊद को क्यों लगा कि नाबाल उनकी और उनके दस जवानों की सहायता करेगा?**

दाऊद के दल के साथ रहते समय, दाऊद के समूह ने नाबाल के चरवाहों की रक्षा की थी।

## 1 शमूएल 25:8

**दाऊद के जवानों ने नाबाल से क्या देने के लिए अनुरोध किया?**

उन्होंने नाबाल से कहा कि वे उन्हें और दाऊद को जो कुछ उसके हाथ लगे दे क्योकि वे आनन्द के समय में आए हैं।

## 1 शमूएल 25:9–11

**नाबाल ने दाऊद के जवानों को क्या उत्तर दिया?**

नाबाल ने कहा कि वह दाऊद को नहीं जानता और जो कुछ भी उसके पास है वह उसके कतरनेवालों के लिये है।

## 1 शमूएल 25:13

**जब दाऊद ने नाबाल के उत्तर के बारे में सुना, तो उन्होंने अपने जनों से क्या करने को कहा?**

दाऊद ने अपने जनों को उनकी तलवारें बांधने का आदेश दिया।

## 1 शमूएल 25:14–15

**जब सेवक ने अबीगैल से बात की, तो उसने क्या कहा कि दाऊद और उसके लोग उनसे मैदान में कैसे व्यवहार करते थे**

उसने कहा कि वे नाबाल के चरवाहों के साथ अच्छे थे जब वे उनके साथ मैदान में थे।

## 1 शमूएल 25:17

**सेवक अबीगैल के पास क्यों गया और नाबाल के पास क्यों नहीं?**

नाबाल ऐसा दुष्ट था कि उससे कोई बोल भी नहीं सकता था।



## 1 शमूएल 25:18–19

**अपने पति की प्रतिक्रिया के बारे में सुनने के बाद अबीगैल ने क्या किया?**

अबीगैल ने फुर्ती से सामान इकट्ठा किया और अपने जवानों से कहा कि वे उसके आगे जाएं, परन्तु उसने अपने पति नाबाल से कुछ न कहा।

## 1 शमूएल 25:20

**जब अबीगैल अपने गदहे पर चढ़ी हुई पहाड़ की आड़ में उतरी जाती थी, तो कौन उनकी ओर आया?**

दाऊद और जन अबीगैल की ओर आए और वह उनसे मिली।

## 1 शमूएल 25:21–22

**दाऊद ने क्या कहा था कि उन्होंने नाबाल की संपत्ति की व्यर्थ रक्षा करने के बाद क्या करने की योजना बनाई थी?**

दाऊद ने नाबाल से सम्बन्धित सब लोगों को मारने की योजना बनाई।

## 1 शमूएल 25:23–24

**जब अबीगैल ने दाऊद से मुलाकात की, तब उन्होंने क्या किया?**

अबीगैल फुर्ती करके गदहे पर से उतर पड़ी, और दाऊद के सम्मुख मुँह के बल भूमि पर गिरकर दण्डवत् की और उनसे एक दासी के रूप में बात करने की अनुमति मांगी।

## 1 शमूएल 25:25–26

**अबीगैल दाऊद से बात करके क्या रोकना चाहती थी?**

वह नाबाल के साथियों का खून-खराबा रोकने की आशा रखती थी।

## 1 शमूएल 25:27–28

**दाऊद और उसके जवानों को खाने-पीने की चीज़ें देकर अबीगैल क्या हासिल करना चाहती है?**

अबीगैल ने आशा की कि दाऊद नाबाल के अपराध को क्षमा करें।

## 1 शमूएल 25:28

**अबिगैल ने दाऊद से क्या कहा कि कौन उनके घर बसाएगा और स्थिर करेगा?**

अबीगैल कहती हैं कि यहोवा दाऊद का घर बसाएगा और स्थिर करेगा।

## 1 शमूएल 25:29

**कौन दाऊद के शत्रुओं के प्राणों को मानो गोफन में रखकर फेंक देगा?**

यहोवा दाऊद की रक्षा करेगा, भले ही लोग उसके प्राण का ग्राहक हों।

## 1 शमूएल 25:32

**दाऊद क्या कहते हैं कि अबीगैल को उनसे भेंट करने के लिए किसने भेजा?**

दाऊद ने कहा कि यहोवा ने अबीगैल को भेजा है।

## 1 शमूएल 25:33

**दाऊद क्यों कहते हैं कि अबीगैल और उसका विवेक धन्य हैं?**

अबीगैल की त्वरित क्रिया के कारण, दाऊद खून करने और अपना बदला आप लेने से रुक गए।

## 1 शमूएल 25:34

**किसने अबीगैल को शीघ्र भेजकर दाऊद को नाबाल के घराने के सभी पुरुषों को मारने से रोका?**

यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर, ने दाऊद को नाबाल के घराने के पुरुषों को मारने से रोक दिया।

## 1 शमूएल 25:36

**जब अबीगैल दाऊद से मिलकर लौटी, तो उसने नाबाल से बात क्यों नहीं की?**

नाबाल एक भोज दे रहा था और वह नशे में अति चूर था।



## 1 शमूएल 25:37-38

**सुबह जब अबीगैल ने नाबाल से बात की, तो क्या हुआ?**

तब उसके मन का हियाव जाता रहा, और वह पत्थर सा सुन्न हो गया। और दस दिन के पश्चात् यहोवा ने नाबाल को ऐसा मारा, कि वह मर गया।

## 1 शमूएल 25:39-40

**जब दाऊद ने सुना कि नाबाल मर गया है, तो उन्होंने क्या किया?**

दाऊद ने अपने लोगों को अबीगैल से यह पूछने के लिए भेजा कि क्या वह उनकी पत्नी बनेंगी।

## 1 शमूएल 25:42

**जब अबीगैल ने सुना कि दाऊद उनसे विवाह करना चाहते हैं, तो उन्होंने क्या किया?**

तब अबीगैल फुर्ती से उठी, और गदहे पर चढ़ी और वह दाऊद के दूतों के पीछे-पीछे गई; और उसकी पत्नी हो गई।

## 1 शमूएल 25:44

**दाऊद की पत्नी मीकल के साथ क्या हुआ?**

शाऊल ने उसे एक अन्य पुरुष को उसकी पत्नी के रूप में दे दिया था।

## 1 शमूएल 26:2

**शाऊल ने दाऊद को जीप के जंगल में खोजने के लिए अपने साथ किसे लिया?**

शाऊल ने इस्राएल के तीन हजार छाँटे हुए योद्धा को संग लिया।

## 1 शमूएल 26:4

**दाऊद को कैसे ज्ञात हुआ कि शाऊल जंगल में उनका पीछा कर रहा था?**

दाऊद ने भेदियों को भेजकर निश्चय कर लिया कि शाऊल आ रहा था।

## 1 शमूएल 26:5

**शाऊल के आने की खबर मिलने के बाद दाऊद कहां गए?**

दाऊद उठे और उस स्थान पर गए जहाँ शाऊल पड़ा था।

## 1 शमूएल 26:6–7

**जब योआब के भाई और दाऊद ने शाऊल को सोते हुए देखा, तो वे क्या करना चाहते थे?**

योआब के भाई ने शाऊल को उसके भाले से मारने की इच्छा जताई थी।

## 1 शमूएल 26:9

**दाऊद क्यों नहीं चाहते थे कि योआब का भाई शाऊल को मारें?**

दाऊद ने कहा कि यहोवा के अभिषिक्त पर हाथ चलाकर कौन निर्दोष ठहर सकता है।

## 1 शमूएल 26:10

**दाऊद क्या कहते हैं कि शाऊल कैसे मरेगा?**

यहोवा ही उसको मारेगा; या वह अपनी मृत्यु से मरेगा; या वह लड़ाई में जाकर मर जाएगा।

## 1 शमूएल 26:11–12

**दाऊद ने शाऊल के पास क्या उठा लिया था?**

दाऊद ने शाऊल के सिरहाने से भाला और पानी की सुराही उठा लिया।

## 1 शमूएल 26:13

**दाऊद शाऊल के छावनी को छोड़ने के बाद कहाँ गए?**

वह दूसरी ओर गए और दूर पहाड़ की चोटी पर खड़े हो गए।

## 1 शमूएल 26:15–16

**दाऊद ने अब्नेर के विषय में क्यों कहा, जो शाऊल पर चौकसी करने वाला पुरुष था, वह मारे जाने के योग्य है?**

जब कोई उसे मारने आया, तो उसने अपने स्वामी शाऊल की चौकसी नहीं की।

## 1 शमूएल 26:17–18

**दाऊद ने शाऊल से कौन सा प्रश्न पूछा?**

दाऊद ने पूछा कि शाऊल दाऊद का पीछा क्यों कर रहा है और दाऊद ने कौन सी बुराई है।

## 1 शमूएल 26:19

**दाऊद चाहता था कि उन लोगों के साथ क्या हो जो शाऊल को दाऊद के विरुद्ध उकसाते थे?**

दाऊद चाहते हैं कि वे यहोवा की ओर से श्रापित हों।

## 1 शमूएल 26:21

**शाऊल ने दाऊद से क्या कहा था?**

शाऊल ने कहा कि उसने पाप किया है और फिर तेरी कुछ हानि न करूँगा।

## 1 शमूएल 26:22

**दाऊद ने शाऊल से उसके भाले को क्या करने के लिए कहा?**

उन्होंने शाऊल से कहा कि कोई जवान इधर आकर इसे ले जाए।

## 1 शमूएल 26:24

**दाऊद ने शाऊल के प्राण के प्रति कौन सा सम्मान दिखाया?**

शाऊल का जीवन दाऊद की दृष्टि में प्रिय था।

## 1 शमूएल 27:1

**दाऊद ने क्यों सोचा कि उसे पलिश्तियों की भूमि में भागना चाहिए?**

दाऊद को लगा कि यही एकमात्र तरीका है जिससे वह शाऊल से बच सकते हैं।

## 1 शमूएल 27:4

**शाऊल ने दाऊद को ढूँढना क्यों रोक दिया?**

शाऊल ने सुना कि दाऊद और उनके साथी गत भाग गए।

## 1 शमूएल 27:5–6

**दाऊद ने आकीश पलिश्ती से क्या मांगा और क्या प्राप्त किया?**

दाऊद ने देश के एक बस्ती में स्थान मांगा, और आकीश ने उन्हें सिकलग बस्ती दी।

## 1 शमूएल 27:8–9

**दाऊद और उसके जनों ने अपने आक्रमणों से प्राप्त पुरुषों और स्त्रियों, पशुओं और वस्त्र के साथ क्या किया?**

उन्होंने लोगों का वध किया और पशुओं और वस्त्रों को ले लिया और फिर आकीश के पास वापस गए।

## 1 शमूएल 27:10

**जब दाऊद चढ़ाई तो नहीं की लौटकर आया, तो उसने आकीश से क्या कहा कि वह कहाँ था?**

दाऊद ने कहा कि उसने यहूदा के दक्षिण पर चढ़ाई किया है, इसलिए आकीश ने सोचा कि उसने इस्राएल पर चढ़ाई किया है।

## 1 शमूएल 27:11

**दाऊद ने किसी को जीवित क्यों नहीं छोड़ा और उन्हें गत क्यों नहीं पहुँचाए?**

दाऊद ने सभी को मार डाला ताकि वे यह न बता सकें कि दाऊद ने ऐसा-ऐसा किया है।

## 1 शमूएल 27:12

**आकीश को क्यों लगा कि इस्राएली लोगों की दृष्टि में अति घृणित हुआ है?**

आकीश ने दाऊद की बात सच मानी कि उन्होंने इस्राएल के लोगों पर चढाई थी।



## 1 शमूएल 28:1–2

**जब पलिश्ती इस्राएल से लड़ने के लिए इकट्ठा हुए, तो आकीश क्या चाहता था कि दाऊद करें?**

आकीश चाहता था कि दाऊद सदा के लिए उसके सर का रक्षक बने।

## 1 शमूएल 28:3

**शमूएल की मृत्यु के बाद शाऊल ने किसे देश से निकाल दिया?**

शाऊल ने ओझों और भूत-सिद्धि करनेवालों को देश से निकाल दिया था।

## 1 शमूएल 28:4

**कौन से दो देश युद्ध के लिए इकट्ठे हुए?**

पलिश्ती और इस्राएली इकट्ठे हुए।

## 1 शमूएल 28:5–7

**शाऊल ने उस स्त्री की खोज क्यों की जो भूत-सिद्धि करती थी?**

शाऊल पलिश्तियों की सेना से डरा हुआ था और उसे यहोवा से कोई सन्देश नहीं मिला।

## 1 शमूएल 28:8–9

**जब शाऊल भेष बदलकर अपने दो मनुष्यों के साथ उस स्त्री से बात करने गया, तो वह स्त्री किससे डर रही थी?**

वह डर गई थीं क्योंकि शमूएल की मृत्यु के बाद शाऊल ने उन सभी को मार डाला था जो भूत-सिद्धि करते थे।

## 1 शमूएल 28:10

**शाऊल ने उस स्त्री से क्या शपथ खाई?**

शाऊल ने शपथ खाई कि अगर वह शाऊल की सहायता करेंगी तो उसे दण्ड न मिलेगा।

## 1 शमूएल 28:11–12

**उस स्त्री को कैसे पता चला कि शाऊल ही वह पुरुष था जिसने उससे शमूएल को बुलाने के लिए कहा था?**

जब उसने शमूएल को देखा, तो उसे एहसास हुआ कि उसे धोखा दिया गया था।

## 1 शमूएल 28:13–14

**स्त्री ने क्या पूछा, शमूएल का कैसा रूप था?**

स्त्री ने देखा कि एक बूढ़ा पुरुष बागा ओढ़े हुए चढ़ा आता है।

## 1 शमूएल 28:15

**शाऊल ने शमूएल को क्यों बुलवाया?**

शाऊल बड़े संकट में पड़ा था क्योंकि पलिश्ती उसके साथ युद्ध लड़ने जा रहे थे और परमेश्वर ने शाऊल को छोड़ दिया था।

## 1 शमूएल 28:16–17

**शमूएल ने क्या कहा कि यहोवा ने शाऊल के राज्य के साथ क्या किया था?**

यहोवा ने शाऊल से उसका राज्य छीनकर दाऊद को दे दिया था।

## 1 शमूएल 28:19

**शाऊल और उसके पुत्र कितनी जल्दी शमूएल के साथ होंगे?**

वे कल मेरे साथ होंगे शमुएल ने कहा।

## 1 शमूएल 28:22

**स्त्री और शाऊल के सेवक ने उसे क्या करने के लिए कहा?**

उन्होंने उससे रोटी खाने का आग्रह किया ताकि उसमे बल आ जाए।



## 1 शमूएल 28:24–25

**स्त्री ने शाऊल और उसके सेवक को खाने के लिए क्या दिया?**

उसने एक बछड़े को मारा और उनके खाने के लिए अख़मीरी रोटी बनाई।

## 1 शमूएल 29:3

**आकीश ने क्या कहा कि उन्होंने दाऊद में नहीं पाया?**

आकीश ने कहा कि जब से दाऊद उनके पास आए हैं, उसने उनमें कोई दोष नहीं पाया है।

## 1 शमूएल 29:4

**पलिश्ती हाकिम को क्या डर था कि लड़ाई के दौरान दाऊद क्या करेंगे?**

उन्हें यह डर था कि दाऊद लड़ाई में उनके लिए एक विरोधी बन जाएंगे।

## 1 शमूएल 29:6–7

**आकीश ने दाऊद से क्या करने के लिए कहा क्योंकि पलिश्तियों के सरदार दाऊद को वहां नहीं चाहते थे?**

उसने दाऊद से कहा कि वे कुशल से अपने घर लौटें।

## 1 शमूएल 29:9

**आकीश ने दाऊद को दाऊद के बारे में अंतिम निर्णय क्या बताया?**

उसने कहा कि दाऊद उनके संग लड़ाई में न जाने पाएगा।

## 1 शमूएल 29:10

**आकीश ने दाऊद से सवेरे को तड़के क्या करने के लिए कहा था?**

उसने दाऊद से कहा कि वे सवेरे को तड़के उठें, अपने साथ आए लोगों को लें और उजियाला होते ही चले जाए।

## 1 शमूएल 30:1–2

**जब दाऊद और उनके जन दूर थे, तब उन्होंने क्या पाया कि सिकलग में क्या हुआ था?**

अमालेकियों ने उस पर चढ़ाई की, उसे फूँक दिया, और सभी स्त्रियों और अन्य लोगों को पकड़ लिया और सब को बन्दी बनाकर ले गए।

## 1 शमूएल 30:3–4

**दाऊद और उनके जनों ने सिकलग में जो पाया, उस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?**

दाऊद और वे लोग जो उसके साथ थे चिल्लाकर इतना रोए, कि फिर उनमें रोने की शक्ति न रही।

## 1 शमूएल 30:5–6

**दाऊद क्यों बड़े संकट में पड़े थे?**

उनकी दोनों स्त्रियाँ बन्दी बना ली गई थीं, और लोग बहुत शोकित होकर उस पर पथरवाह करने की चर्चा कर रहे थे।

## 1 शमूएल 30:8

**जब दाऊद ने यहोवा से प्रार्थना की, तो वह क्या जानना चाहते थे?**

दाऊद जानना चाहते थे कि अगर वे अमालेकियों का पीछा करते हैं, तो क्या वे उन्हें पकड़ पाएंगे।

## 1 शमूएल 30:8 (#2)

**यहोवा ने दाऊद को क्या उत्तर दिया?**

यहोवा ने उनसे कहा पीछा कर क्योंकि तू निश्चय उसको पकड़ेगा, और निःसन्देह सब कुछ छुड़ा लाएगा।

## 1 शमूएल 30:10

**दाऊद के दो सौ लोगों का बसोर नदी पर क्या हुआ?**

वे ऐसे थक गए थे कि उन्हें पीछे रहना पड़ा।



## 1 शमूएल 30:12

**जब दाऊद और उसके लोग अमालेकियों का पीछा कर रहे थे, तो उन्हें जो मिस्री पुरुष मिला, उसको क्या समस्या थी?**

उसने तीन दिन और तीन रातों तक न तो रोटी खाई थी और न ही पानी पिया था।

## 1 शमूएल 30:13

**मिस्री के स्वामी ने उसे क्यों छोड़ दिया था?**

उन्होंने कहा कि वह तीन दिन पहले बीमार हो गया था।

## 1 शमूएल 30:15

**मिस्री पुरुष ने दाऊद को उस दल का स्थान दिखाने से पहले क्या शर्त रखी?**

उसने दाऊद से कहा कि वे शपथ खाए कि वह उसे नहीं मरेंगे और न उसके स्वामी के हाथ में देंगे।

## 1 शमूएल 30:16–17

**जब दाऊद ने उन पर हमला किया, तब लुटेरे क्या कर रहे थे?**

वे पलिश्तियों और यहूदा के देश से लूटी गई सारी वस्तुओं के कारण आनन्द मना रहे थे।

## 1 शमूएल 30:18

**दाऊद ने हमलावरों पर हमले के बाद क्या-क्या पुनः प्राप्त किया?**

जो कुछ अमालेकी ले गए थे वह सब दाऊद ने छुड़ाया।

## 1 शमूएल 30:22

**दुष्ट लोगों ने यह क्यों नहीं चाहा कि प्राप्त की गई लूट को उन लोगों के साथ बांटना चाहिए जो पीछे रह गए थे?**

उन्होंने कहा कि जो पीछे रह गए थे, वे उनके साथ युद्ध करने नहीं गए।

## 1 शमूएल 30:23–24

**दाऊद ने दुष्ट पुरुषों से क्यों कहा कि उन्हें सभी को बराबर बांटना चाहिए?**

उन्होंने कहा कि यहोवा ने हमें दिया है; और उसने हमारी रक्षा की और उसने उनको जिसने हमारे ऊपर चढ़ाई की थी हमारे हाथ में कर दिया है।

## 1 शमूएल 30:26

**जब दाऊद सिकलग वापस आए, तो उन्होंने यहोवा के शत्रुओं से ली हुई लूट का क्या किया?**

दाऊद ने लूट को यहूदी पुरनियों और अन्य मित्रों के साथ बाँटा जहाँ वह और उसके लोग अक्सर जाते थे।

## 1 शमूएल 31:1

**जब इस्राएल के पुरुषों ने पलिश्तियों से युद्ध किया, तो उनके साथ क्या हुआ?**

इस्राएल के पुरुष पलिश्तियों से भाग गए और मारे गए।

## 1 शमूएल 31:2

**शाऊल के पुत्रों का क्या हुआ?**

पलिश्तियों ने उसके पुत्रों को मार डाला।

## 1 शमूएल 31:3

**युद्ध में शाऊल के साथ क्या हुआ?**

उसे धनुर्धारियों ने उसे पा लिया और वह उनके कारण अत्यन्त व्याकुल हो गया।

## 1 शमूएल 31:4

**शाऊल ने अपने हथियार ढोने वाले से क्या करने को कहा, क्योंकि वह बहुत पीड़ा में था और उसे डर था कि उसका शत्रु आकर उसका ठट्ठा करेगा?**

शाऊल ने उससे कहा अपनी तलवार खींचकर उसे भोंक दे।



## 1 शमूएल 31:4 (#2)

**जब शाऊल का हथियार ढोनेवाला डर गया और उसे मारना नहीं चाहा, तो शाऊल ने क्या किया?**

तब शाऊल अपनी तलवार खड़ी करके उस पर गिर पड़ा।

## 1 शमूएल 31:5

**जब हथियार ढोनेवाले ने देखा कि शाऊल मर गया है तो उसने क्या किया?**

वह अपनी ही तलवार पर गिर गया और मर गया।

## 1 शमूएल 31:7

**घाटी के दूसरी ओर और यरदन नदी के पार से इस्राएल के लोग अपने नगरों को क्यों छोड़कर भाग गए?**

वे भाग गए क्योंकि उन्होंने देखा कि इस्राएली मनुष्य अपने-अपने नगरों को छोड़कर भाग गए और शाऊल और उसके पुत्र मर गए थे।

## 1 शमूएल 31:9

**जब पलिश्ती मृतकों को लूटने आए, तो उन्होंने शाऊल के शरीर के साथ क्या किया?**

पलिश्तियों ने शाऊल का सिर काट दिया और उसके शव को बेतशान की शहरपनाह में जड़ दिया।

## 1 शमूएल 31:11–12

**जब गिलादवाले याबेश के निवासियों ने शाऊल का सुना, तो वहाँ के योद्धाओं ने क्या किया?**

वे बेतशान गए और शाऊल और उसके पुत्रों के शवों को याबेश ले जाकर जला दिया।

## 1 शमूएल 31:13

**याबेश के निवासियों ने शाऊल और उनके पुत्रों की हड्डियों का क्या किया?**

उन्होंने उनकी हड्डियाँ लेकर याबेश के झाऊ के पेड़ के नीचे गाड़ दीं, और सात दिन तक उपवास किया।